धनबाद, गुरूवार
10 सितंबर 2026
वर्ष : 03 अंक : 341
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

रेल राज्यमंत्री सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी) : रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने बुधवार को दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा कर रेलवे परिचालन, सुरक्षा, ट्रेनों के समयपालन और यात्रियों की शिकायतों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर रेलवे परिचालन में सुधार के लिए तकनीक के अधिक इस्तेमाल और कर्मचारियों की कार्यस्थितियों को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की।

सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश आर. त्रिपाठी और उनकी टीम के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नियंत्रण कार्यालय में सेक्शन कंट्रोलरों के कामकाज के अलावा इंजीनियरिंग, कोचिंग, माल, वाणिज्यिक, सिग्नल एवं दूरसंचार, ट्रैक्शन और सुरक्षा नियंत्रण से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने अत्याधुनिक सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) केंद्र और दिल्ली मंडल के वार रूम का भी निरीक्षण किया। शेष पृष्ठ-4....

सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी) : तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच कई तरह की साझेदारी के सभी मुद्दों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि दोनों देश करीबी पड़ोसी और समुद्री पार्टनर के तौर पर भारत और श्रीलंका की भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके की सुरक्षा, शांति और खुशहाली पक्की करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सिविलाइजेशनल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए नहीं होने देगा। शेष पृष्ठ-4....

जातिवाद खत्म हो जाए तो आरक्षण छोड़ने को तैयार : रामदास आठवले

रायपुर,(एजेंसी) :केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले बुधवार को छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। आठवले ने कहा कि अगर देश से जातिवाद पूरी तरह खत्म हो जाता है, तो वे आरक्षण छोड़ने के लिए तैयार हैं लेकिन जब तक जातिवाद और भेदभाव मौजूद है, तब तक आरक्षण व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

रामदास आठवले ने यह बयान रायपुर के स्टेट गेस्ट हाउस 'पहुना' में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में आरक्षण का आधार जाति व्यवस्था है। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार होते हैं। आठवले ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक समाज से जातिवाद का जहर खत्म नहीं होता, तब तक आरक्षण व्यवस्था लागू रहेगी, इसलिए इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए।आठवले ने दलितों के मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम अब केवल टिप्पणी करना रह गया है, उनके पास देश के विकास का कोई विजन नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार दलितों की सेवा करने और उन्हें न्याय दिलाने में पूरी तरह सक्षम और प्रयासरत है।

सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

भारत ने श्रीलंका में बनाए तीन बेली ब्रिज, रक्षा मंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच कई तरह की साझेदारी के सभी मुद्दों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि दोनों देश करीबी पड़ोसी और समुद्री पार्टनर के तौर पर भारत और श्रीलंका की भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके की सुरक्षा, शांति और खुशहाली पक्की करने के लिए मिलकर काम करेंगे।रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सिविलाइजेशनल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने साइक्लोन दितवाह के दौरान 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारत की तरफ से दी गई राहत मदद के लिए शुक्रिया अदा किया।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्रीलंका का सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत इसे कोई एहसान नहीं, बल्कि सबसे पहले मदद करने वाले के तौर पर मदद देना अपनी जिम्मेदारी समझता है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। दोनों नेताओं ने भारतीय सशस्त्र बलों के बनाए तीन बेली ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटन किया। दोनों पक्षों ने श्रीलंकाई एयरफोर्स के लिए एल-70 गन्स के अपग्रेडेशन और दोनों देशों के नेशनल कैडेट कॉर्प्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के बीच सहयोग पर समझौता भी किया। इन एयर डिफेंस गन्स के अपग्रेडेशन से श्रीलंका में जरूरी एसेट्स का एयर डिफेंस आर्किटेक्चर काफी मजबूत होगा। ये एयर डिफेंस गन्स पहले भारत ने श्रीलंका एयर फोर्स को दी थीं।

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के इस्तेमाल की तैयारी, एआई फैमिली डॉक्टर होगा पायलट प्रोजेक्ट

रांची, (एजेंसी) : झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, समयबद्ध और तकनीक आधारित बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल की तैयारी शुरू हो गई है। इसको लेकर अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में बैठक हुई। बैठक में एआई असिस्टेंट और एआई फैमिली डॉक्टर विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

अपर मुख्य सचिव ने दोनों प्लेटफॉर्म के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। प्रस्तावित एआई असिस्टेंट स्वास्थ्य कर्मियों के डिजिटल सहायक के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से कर्मियों को उनके कार्य, समय, स्थान, संबंधित लोगों, आवश्यक संसाधनों और तैयारियों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ रिमाइंडर और अलर्ट भी दिए जा सकेंगे।

उदाहरण के तौर पर किसी सहिया को टीकाकरण अभियान की तारीख और स्थान के साथ संबंधित क्षेत्र में टीकाकरण किए जाने वाले बच्चों की संख्या तथा जरूरी तैयारियों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे स्वास्थ्य कर्मियों के कामकाज को अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने में मदद मिलेगी।वहीं, एआई फैमिली डॉक्टर आम लोगों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सहायक के रूप में काम करेगा। मरीज की ओर से बताई गई समस्या के आधार पर यह संभावित बीमारी और आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएगा।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि एआई की ओर से सुझाई गई किसी दवा को तब तक चिकित्सकीय सलाह नहीं माना जाएगा, जब तक उसे पंजीकृत चिकित्सक की मंजूरी प्राप्त न हो। स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल को लेकर इस व्यवस्था को महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रावधान माना गया है।एआई फैमिली डॉक्टर को शुरूआती चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की योजना है। इसके परिणामों और उपयोगिता का आकलन करने के बाद इसे पूरे राज्य में लागू करने पर विचार किया जाएगा।बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

मतदाता सूची में तीन अफगान नागरिकों के नाम मिलने से हड़कंप, निर्वाचन विभाग ने जारी किया नोटिस

पूर्वी सिंहभूम,(एजेंसी) : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में तीन अफगानिस्तानी नागरिकों के नाम भारतीय मतदाता सूची में दर्ज होने का मामला सामने आया है। दस्तावेजों के सत्यापन में गड़बड़ी पाए जाने के बाद निर्वाचन विभाग ने तीनों को नोटिस जारी किया है। अब यह जांच की जा रही है कि विदेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में किस प्रक्रिया के तहत शामिल हुए।जमशेदपुर के अनुमंडल पदाधिकारी अर्नब मिश्रा ने बुधवार को बताया कि मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम के दस्तावेजों में विसंगतियां सामने आई थीं। इसके बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया। नोटिस के जवाब में पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाने के बाद उनके पासपोर्ट की जांच कराई गई। जांच में तीनों के अफगानिस्तान के नागरिक होने की पुष्टि हुई।तीनों नाम जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 286 की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए। सूची में आसिल खान का नाम क्रम संख्या 30, मोहम्मद असलम का नाम 31 और मोहम्मद इब्राहिम का नाम 33 पर दर्ज था। बताया गया कि एसआईआर के तहत तीनों की न्यूमरेशन प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी थी और उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में भी शामिल हो गए थे।

बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मप्र, छत्तीसगढ़ से जुड़ी तीन मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने बुधवार को 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि मंजूर परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। परियोजनाओं को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

इससे 14 जिलों के करीब 4,790 गांवों और 56 लाख लोगों को बेहतर रेल संपर्क मिलने की उम्मीद है।

वैष्णव ने कहा कि झारसुगुड़ा से आगे छत्तीसगढ़ के हिस्से में रेल मार्गों पर गंभीर भीड़भाड़ है। पिछले 50-60 वर्षों में इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का पर्याप्त विकास नहीं हुआ। पिछले 12 वर्षों में छत्तीसगढ़ में कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। आदिवासी बहुल यह क्षेत्र आर्थिक और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर से पेंड्रा और आगे कटनी तक के मार्ग को चार लाइन का किया जा रहा है। कुछ हिस्सों में पहले से तीन लाइनें हैं, जबकि कुछ में दो लाइनें हैं। यह मार्ग अनूपपुर जैसे महत्वपूर्ण जंक्शन से होकर गुजरता है, जहां से झारखंड के अलावा बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर रेल यातायात संचालित होता है। इस मार्ग की क्षमता बढ़ने से यात्री और माल परिवहन दोनों को लाभ मिलेगा तथा भीड़भाड़ कम होगी।

सरकार के अनुसार, परियोजनाओं को प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार किया गया है। इनसे मल्टी-मॉडल संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ेगी तथा लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही सुगम होगी।परियोजनाओं से तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, अमरकंटक मंदिर, अचानकमार टाइगर रिजर्व और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

ये मार्ग कोयला, सीमेंट, लौह एवं इस्पात जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। क्षमता विस्तार से सालाना करीब 2.7 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई होने का अनुमान है। इससे करीब 12 करोड़ लीटर तेल आयात और 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है, जो करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 71 छात्रों को गोल्ड मेडल, 6923 को मिली उपाधि

रांची, (एजेंसी) : रांची विश्वविद्यालय का 39वां दीक्षांत समारोह बुधवार को मोरहाबादी स्थित दीक्षांत मंडप में आयोजित हुआ। समारोह में 71 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल और 6,923 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गईं। कुलाधिपति एवं राज्यपाल संतोष गंगवार, कुलपति प्रो. सरोज शर्मा तथा विभिन्न संकायाध्यक्षों ने विद्यार्थियों को पदक और उपाधियां प्रदान कीं।

समारोह की शुरूआत परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और कुलगीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, कुलपति प्रो. सरोज शर्मा और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलपति ने कुलाधिपति और रक्षा राज्यमंत्री को स्मृतिचिह्न एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने विश्वविद्यालय की दीक्षांत स्मारिका का विमोचन भी किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) की कुलपति डॉ. शशिकला वंजारी और आईआईएम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक राय को मानद उपाधि प्रदान की गई। दोनों ने रांची विश्वविद्यालय के प्रति आभार जताते हुए उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में रांची विश्वविद्यालय के प्रथम पीएचडी धारक प्रो. नवल किशोर अंबष्ठ भी उपस्थित रहे।क्षमता का उपयोग देश और समाज के हित में करें : कुलाधिपतिकुलाधिपति संतोष गंगवार ने विद्यार्थियों, कुलपति और विश्वविद्यालय परिवार को उपलब्धियों के लिए बधाई दी और कहा कि रांची विश्वविद्यालय ने झारखंड के सामाजिक और बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत का अर्थ पढ़ाई समाप्त होना नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान का उपयोग देश और समाज के विकास में करने की जिम्मेदारी शुरू होना है।

कुलाधिपति ने विद्यार्थियों से अपनी क्षमता का उपयोग सही उद्देश्यों के लिए करने और अवसर तलाशने के बजाय अवसर पैदा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शोध, आचरण और समाजहित में किए जाने वाले कार्यों से उनकी पहचान बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि रांची विश्वविद्यालय 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।देश और वैश्विक अपेक्षाओं पर खरा उतरें युवा : कुलपति कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की 66 वर्ष की उपलब्धिपूर्ण यात्रा गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के तीन महाविद्यालयों को यूजीसी ने ह्यकॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंसह्न (सीपीई) का दर्जा दिया है। विश्वविद्यालय में एमएससी स्टैटिस्टिक्स, एमएससी डाटा साइंस और एमए एजुकेशन जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

कुलपति ने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं और भारतीय ज्ञान परंपरा को भी शिक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय में स्थापित वेलनेस सेंटर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय से निकलने वाले युवा देश के साथ वैश्विक अपेक्षाओं पर भी खरे उतरेंगे।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य गढ़ने और राष्ट्र को आगे ले जाने की जिम्मेदारी निभानी है।

अनुराग सिंह ठाकुर सांसद रत्न अवॉर्ड से हुए सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी) :पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर को एक बार फिर सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता वाली कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति को प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया है। बुधवार को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित पुरस्कारों के 16वें संस्करण में विशेष रूप से ₹प्रस्तुत मूल रिपोर्टों में सर्वोच्च₹ श्रेणी में मान्यता प्राप्त, यह समिति संसद के दोनों सदनों की उन केवल चार संसदीय समितियों में से एक है जिन्हें इस वर्ष इस प्रमुख राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है।इस सम्मान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए, आयोजकों ने कहा कि संसद रत्न पुरस्कार भारतीय लोकतंत्र में एक गैर-सरकारी पहल के रूप में एक अनूठा स्थान रखता है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पुरस्कार पूरी तरह से नागरिक समाज के दृष्टिकोण से निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संसदीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने जूरी सदस्यों और प्राइम पॉइंट फाउंडेशन के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। अनुराग ठाकुर ने इस पुरस्कार को अपने साथी समिति सदस्यों और समिति सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके सामूहिक तालमेल, कठोर शोध और द्विदलीय विधायी निगरानी को मजबूत करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि अनुराग सिंह ठाकुर के नेतृत्व में, कोयला, खान और इस्पात समिति ने असाधारण उत्पादकता का प्रदर्शन किया है, जिसने जून 2024 से अब तक 64 बैठकें बुलाई हैं और 29 व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं। अनुराग सिंह ठाकुर का समिति नेतृत्व उनके पांच साल के कार्यकाल के दौरान प्रमुख मंत्रालयों की देखरेख करने वाले केंद्रीय मंत्री के रूप में प्राप्त व्यापक प्रशासनिक अनुभव पर आधारित है। कोयला, खान और इस्पात पैनल का नेतृत्व करने के अलावा, उनकी वर्तमान संसदीय जिम्मेदारियों में लोक लेखा समिति और विद्युत मंत्रालय की सलाहकार समिति में सेवा देना शामिल है। साथ ही, वे 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर संयुक्त संसदीय समिति , 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पर जेपीसी सहित महत्वपूर्ण विधायी निकायों में भी योगदान दे रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रील बनाने के दौरान चट्टान से फिसलने से वॉटरफॉल में डूबा छात्र

कोडरमा,(एजेंसी) : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध वृंदाहा वॉटरफॉल में बुधवार को नहाने के दौरान एक 14 वर्षीय छात्र गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी देर तक उसकी तलाश की, लेकिन देर शाम तक शव बरामद नहीं हो सका। बारिश तेज होने के कारण रेस्क्यू अभियान में भी परेशानी आई। गुरुवार को गोताखोरों की मदद से शव की तलाश दोबारा किए जाने की बात कही गई है।

मृतक की पहचान बिहार के जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र सागर कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, जहानाबाद स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान के संचालक करीब छह बच्चों को लेकर पिकनिक मनाने वृंदाहा वॉटरफॉल पहुंचे थे। सभी बच्चे वाटरफॉल के समीप नहा रहे थे। इसी दौरान सागर एक चट्टान पर चढ़कर नहाने के साथ रील बना रहा था।

अचानक उसका पैर फिसल गया और वह चट्टान के नीचे स्थित गहरे पानी में जा गिरा। सागर के पानी में डूबते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तिलैया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विनय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से छात्र की तलाश शुरू कराई। तलाशी अभियान के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे पानी का बहाव बढ़ गया और रेस्क्यू अभियान प्रभावित हुआ। काफी प्रयास के बावजूद छात्र का पता नहीं चल सका। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को गोताखोरों की मदद से गहरे पानी में सागर की तलाश की जाएगी।

वृंदाहा वॉटरफॉल में चट्टानों के आसपास कई स्थानों पर गहरा पानी और खाई है। जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से पर्यटकों को लगातार खतरनाक स्थानों के करीब नहीं जाने की चेतावनी दी जाती है।

इसके बावजूद पर्यटक चट्टानों पर चढ़कर सेल्फी और रील बनाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में कई बार हादसे हो चुके हैं। सागर की तलाश जारी है। गोताखोरों के पहुंचने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि छात्र का शव कब तक बरामद किया जा सकता है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराई, यूथ कांग्रेस नेता की मौत

गोड्डा, (एजेंसी) : पोड़ैयाहाट-हंसडीहा मंगलवार की देर रात मुख्य मार्ग एनएच-133 पर कारूडीह के समीप तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में भतडीहा निवासी और यूथ कांग्रेस के जिला महासचिव बताए जा रहे दीपक कुमार मंडल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो में छह लोग सवार थे और सभी तारापीठ पूजा के लिए जा रहे थे। कारूडीह के पास वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर लहराते हुए करीब 25-30 फीट तक हवा में उछला और डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन का पिछला दरवाजा खुलने से दीपक करीब 100 मीटर दूर जा गिरे और उनकी मौत हो गई।

घायलों की पहचान विकास सिंह, रामगोपाल, जितेंद्र मंडल एवं नीतीश कुमार के रूप में हुई है। सभी को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र और फिर सदर अस्पताल गोड्डा लाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए दो घायलों को रांची, एक को भागलपुर और एक को कोलकाता रेफर किए जाने की जानकारी है।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद होगी।

घटना की सूचना मिलते ही पोड़ैयाहाट विधायक और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। हादसे में दीपक कुमार मंडल की मौत से कांग्रेस कार्यकताओं में शोक की लहर है।

अड़की में निकली स्ववेंद पदयात्रा, जयकारों से गूंजा क्षेत्र

खूंटी , (एजेंसी) : ब्रह्म विद्या विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में बुधवार को अड़की प्रखंड के नोड़ी क्षेत्र में ह्यस्ववेंद पदयात्राह्न का आयोजन किया गया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्वेत ध्वज, ध्वनि यंत्र और आध्यात्मिक ग्रंथ ह्यस्ववेंदह्न को माथे पर धारण कर श्रद्धालुओं ने करीब 10 किलोमीटर की पदयात्रा की।पदयात्रा के दौरान ह्यस्ववेंद महामंदिर धाम की जयह्न, ह्यश्वेत ध्वज की जयह्न, ह्यअनंत श्री सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज के जयकारों से पूरा नोड़ी क्षेत्र गूंजता रहा।

पदयात्रा के समापन के बाद नोड़ी गांव के मंदिर परिसर में बृहद सत्संग का आयोजन किया गया। इसमें प्रधान संयोजक जितेंद्र कश्यप ने ह्यमैं कौन हूं, मैं कहां से आया हूं, मनुष्य जीवन का दायित्व क्या है और मनुष्य का असली घर कहां हैह्न विषय पर विस्तार से प्रवचन दिया। उन्होंने आध्यात्मिक चिंतन और मानव जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

मौके पर नोड़ी गांव के विश्वनाथ प्रमाणिक, बिरशु सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। श्रद्धालुओं ने विहंगम योग आश्रम की ओर से संचालित सामाजिक कार्यों, जिसमें निःशुल्क शिक्षा, गुरुकुल संचालन, गौ सेवा, पौधारोपण एवं भारतीय सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के इस्तेमाल की तैयारी, एआई फैमिली डॉक्टर होगा पायलट प्रोजेक्ट

रांची, (एजेंसी) : झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, समयबद्ध और तकनीक आधारित बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल की तैयारी शुरू हो गई है। इसको लेकर अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में बैठक हुई। बैठक में एआई असिस्टेंट और एआई फैमिली डॉक्टर विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

अपर मुख्य सचिव ने दोनों प्लेटफॉर्म के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। प्रस्तावित एआई असिस्टेंट स्वास्थ्य कर्मियों के डिजिटल सहायक के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से कर्मियों को उनके कार्य, समय, स्थान, संबंधित लोगों, आवश्यक संसाधनों और तैयारियों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ रिमाइंडर और अलर्ट भी दिए जा सकेंगे।उदाहरण के तौर पर किसी सहिया को टीकाकरण अभियान की तारीख और स्थान के साथ संबंधित क्षेत्र में टीकाकरण किए जाने वाले बच्चों की संख्या तथा जरूरी तैयारियों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे स्वास्थ्य कर्मियों के कामकाज को अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने में मदद मिलेगी।

वहीं, एआई फैमिली डॉक्टर आम लोगों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सहायक के रूप में काम करेगा। मरीज की ओर से बताई गई समस्या के आधार पर यह संभावित बीमारी और आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएगा।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि एआई की ओर से सुझाई गई किसी दवा को तब तक चिकित्सकीय सलाह नहीं माना जाएगा, जब तक उसे पंजीकृत चिकित्सक की मंजूरी प्राप्त न हो। स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल को लेकर इस व्यवस्था को महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रावधान माना गया है।एआई फैमिली डॉक्टर को शुरूआती चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की योजना है। इसके परिणामों और उपयोगिता का आकलन करने के बाद इसे पूरे राज्य में लागू करने पर विचार किया जाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

सफाई मजदूरों की मांगों को लेकर 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव

रांची, (एजेंसी) : रांची नगर निगम के सफाई मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव और प्रदर्शन करेगा। यह निर्णय बुधवार को हटिया मजदूर यूनियन के धुर्वा सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में अध्यक्ष भवन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक का संचालन प्रफुल्ल लिंडा ने किया।यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह और महासचिव प्रकाश टोप्पो ने कहा कि मजदूर अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को मजबूर हैं। भवन सिंह ने बताया कि सफाई मजदूरों की मांगों को लेकर उप श्रमायुक्त, रांची की उपस्थिति में नगर निगम के पदाधिकारियों और यूनियन के बीच लिखित समझौता हुआ था। इसके बावजूद समझौते में शामिल अधिकांश मांगों को अब तक लागू नहीं किया गया है। इससे मजदूरों में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि समझौते को लागू कराने के लिए 18 सितंबर को श्रमायुक्त के साथ वार्ता प्रस्तावित है।

यूनियन ने कहा कि यदि वार्ता विफल रहती है और मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं होती है तो 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का जोरदार घेराव और प्रदर्शन किया जाएगा।

यूनियन ने सफाई मजदूरों के लिए 18 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन लागू करने, राष्ट्रीय पर्वों पर अवकाश देने, वार्षिक अर्जित अवकाश और मातृत्व अवकाश की सुविधा लागू करने तथा दशहरा से पहले बोनस देने की मांग की है। इसके अलावा 10 वर्षों से कार्यरत मजदूरों को स्थायी करने और ए टू जेड कंपनी के समय वर्ष 2013 की बकाया मजदूरी का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई है।

देवघर में लंपी स्किन डिजीज की आशंका से पशुपालकों की चिंता बढ़ी

देवघर, (एजेंसी) : देवघर जिले के विभिन्न प्रखंडों के कई गांवों में पशुओं में लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) जैसे लक्षण सामने आने से छोटे और सीमांत पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। गायों के साथ बछड़ों में भी बीमारी के लक्षण देखे जाने की बात कही जा रही है। सारठ प्रखंड की पथरड्डा पंचायत के कुण्डारो गांव में भी कई पशुओं में लंपी जैसे लक्षण मिलने की सूचना है।पशुपालकों का कहना है कि पशुधन उनके परिवार की आय का प्रमुख साधन है। ऐसे में बीमारी के संक्रमण की आशंका से उन्हें पशुओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक नुकसान की भी चिंता सता रही है। किसान अजीत यादव ने कहा कि लंपी वायरस से पशुधन पर खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने पशुपालन विभाग से गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने के साथ संदिग्ध पशुओं की जांच, उपचार और बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

जिला पशुपालन पदाधिकारी धनंजय कुमार ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में लंपी स्किन डिजीज से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। उन्होंने पशुपालकों से अपने नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र से संपर्क कर पशुओं का टीकाकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण से पशुओं को बीमारी से बचाने में मदद मिलेगी।

जिला पशुपालन पदाधिकारी ने पशुपालकों को संक्रमित अथवा संदिग्ध पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने, पशुओं के रहने वाले स्थान की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी।

करोड़ों के चंदे वाली ह्यसेल पार्टियोंह्न की हो जांच : विनोद पाण्डेय

रांची, (एजेंसी) : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय ने राजनीतिक दलों की फंडिंग और चुनावी चंदे को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए निर्वाचन आयोग, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पाण्डेय ने बुधवार को झामुमो प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में गुजरात से जुड़ी एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि कुछ ऐसे राजनीतिक दल सामने आए हैं, जिनकी चुनावी और राजनीतिक गतिविधियां बेहद सीमित हैं, लेकिन उनके खातों में करोड़ों रुपये का चंदा पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि संबंधित राजनीतिक दलों की गतिविधियों, चंदा देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं और धन के स्त्रोत की जांच जरूरी है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कहीं राजनीतिक दलों के माध्यम से वित्तीय लेनदेन का दुरुपयोग तो नहीं किया जा रहा है।

झामुमो महासचिव ने कहा कि देश में कई पंजीकृत और अपंजीकृत राजनीतिक दल हैं। किसी दल का केवल कागजों पर अस्तित्व में रहना और उसके खाते में लगातार करोड़ों रुपये का चंदा आना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कंपनियों के संदर्भ में ह्यसेल कंपनियोंह्न की चर्चा होती रही है, लेकिन अब कथित ह्यसेल पार्टियोंह्न के रूप में सामने आ रहे मामलों की भी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

विनोद पाण्डेय ने गुजरात का उदाहरण देते हुए दावा किया कि वहां कुछ राजनीतिक दलों के कार्यालय दर्ज हैं, लेकिन मौके पर कहीं दुकान का शटर बंद मिला तो कहीं फ्लैट में ताला लगा हुआ है। उनके अनुसार, स्थानीय स्तर पर भी इन दलों के बारे में लोगों को जानकारी नहीं है और वे चुनाव अथवा किसी बड़ी राजनीतिक गतिविधि में सक्रिय नजर नहीं आते।

झामुमो नेता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में गुजरात की करीब 10 ऐसी पार्टियों को करोड़ों रुपये का चंदा मिलने की बात सामने आई है। उन्होंने दावा किया कि इनमें कथित तौर पर सबसे कम राशि पाने वाली पार्टी के खाते में भी करीब 138 करोड़ रुपये जमा होने की बात सामने आई है।

पाण्डेय ने सवाल उठाया कि यदि ये दल चुनाव नहीं लड़ रहे और उनकी कोई उल्लेखनीय राजनीतिक गतिविधि दिखाई नहीं देती, तो उन्हें इतनी बड़ी रकम किस उद्देश्य से दी जा रही है और इसका इस्तेमाल कौन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कर वास्तविकता सामने लाई जानी चाहिए।

सीडी रेशियो बढ़ाएं और जरूरतमंदों को ऋण उपलब्ध कराएं अधिकारी : उपायुक्त

खूंटी,(एजेंसी) : समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति (डीएलआरसी) एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक हुई। इसमें जून 2026 तिमाही के दौरान जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग और ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में सीडी रेशियो, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए), एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज समेत विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर चर्चा हुई।

उपायुक्त ने सभी बैंकों को सीडी रेशियो में सुधार करने तथा पात्र और जरूरतमंद लाभुकों को समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि ऋण, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और महिला स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उपायुक्त ने जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) को प्रत्येक तिमाही में लोन मेला आयोजित कराने का निर्देश दिया। वहीं, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) को क्रेडिट लिंकेज और मुद्रा ऋण के लिए अधिक से अधिक नए आवेदन तैयार कराने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराने को कहा।

उपायुक्त ने सहकारिता, नाबार्ड, कृषि, जेएसएलपीएस, उद्योग विभाग और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को किसानों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य पात्र लाभुकों को बैंकिंग सुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने का निर्देश दिया।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के एजीएम, एलडीएम, नाबार्ड के डीडीएम, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, आरसेटी प्रबंधक, जिला कृषि पदाधिकारी, जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि समेत विभिन्न बैंकों के प्रबंधक और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उपायुक्त ने सभी बैंकों से प्रदर्शन में सुधार करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा।

देवघर में खुलेगा एआई और साइबर सुरक्षा का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

देवघर, (एजेंसी) : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में बुधवार को डीएमएफटी प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में स्वीकृत विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंताओं को दिया।बैठक में डीएमएफटी राजस्व संग्रहण की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत राजस्व संग्रहण सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया।बैठक में डीएमएफटी क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक और रोजगारपरक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में ह्यसेंटर ऑफ एक्सीलेंसह्न स्थापित करने की स्वीकृति दी गई। यहां युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।शिक्षा व्यवस्था के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों के 48 विद्यालयों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने और शौचालयों के नए निर्माण एवं मरम्मत कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सारठ, करौं और पालोजोरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। वहीं, मातृ एवं शिशु सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सदर अस्पताल सहित सारठ, करौं और पालोजोरी सीएचसी में मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) की स्थापना को मंजूरी दी गई।उपायुक्त ने सारठ, पालोजोरी और करौं प्रखंडों के समग्र विकास के लिए कई अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को भी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हो सके।

प्रतियोगी परीक्षाओं की सीबीआई जांच से बेनकाब होंगे पैरवी पुत्र : दीपक प्रकाश

पलामू, (एजेंसी) : जेपीएससी-जेएससीसी और सीजीएल में भारी धांधली और पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग और रांची में अपने हक की आवाज उठाने वाले निर्दोष छात्रों पर दर्ज किए गए झूठे मुकदमे के विरोध में भाजपा पलामू जिला इकाई की ओर से बुधवार को उपायुक्त पलामू कार्यालय समाहरणालय का घेराव किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम के प्रभारी और पूर्व सांसद और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने की।

वहीं घेराव सह प्रदर्शन को संबोधित करते हुए दीपक प्रकाश ने कहा कि झारखंड में घोटालों पर चलने वाली सरकार है। कोयला, बालू के बाद बच्चों के भविष्य का घोटाला किया गया। जिन छात्रों ने अपने हक अधिकार के लिए आन्दोलन किये, उनके खिलाफ मुकदमे किए गए। दिल्ली और यूपी में भी मुकदमें हुए थे, लेकिन सारे वापस हो गए। लेकिन यहां की सरकार फर्जी मुकदमे वापस नहीं ले रही है।उन्होंने कहा कि सरकार दोहरी नीति अपना रही है, जिन लोगों ने झामुमो के झंडे के साथ हमले किए, छात्रों के दुपट्टे खींचे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। एफआइआर वापस होने तक भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने झारखंड में परीक्षा घोटाले पर हो रही सीआइडी जांच पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि इसके तार सात राज्यों के अलावा नेपाल तक जुड़े हुए हैं। सीआइडी झारखंड से बाहर जाकर मामले की जांच नहीं कर सकती है। इसके लिए सक्षम नहीं है। सीबीआई जांच होने पर सरकार की नौटंकी सामने आ जायेगी। सरकार नाचने लगेगी और मंत्री और दबंग विधायकों के पैरवी पुत्र पकड़े जायेंगे।

इससे पहले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सभी कार्यकर्ता और नेता का एकत्रीकरण रेडमा बाईपास काली मंदिर रोड स्थित माइनर इरिगेशन ऑफिस मैदान में हुआ। वहीं से पैदल मार्च करते हुए सभी लोग रेडमा चौक, ओवरब्रिज, कचहरी चौक होते हुए समाहरणालय गेट पर पहुंचे और घेराव किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पलामू के सांसद वीडी राम, विधायक आलोक चौरसिया विधायक शशिभूषण मेहता, पूर्व सांसद घूरन राम, मनोज भुइंया, प्रभात भुइंया, शशिभूषण भगत, लवली गुप्ता, ज्योति पांडे, पांकी विधायक के जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता और बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश और मेदिनीनगर सदर एसडीपीओ राजेश यादव के बीच बहस हो गई, जिसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, विरोध प्रदर्शन के दौरान पलामू सांसद विष्णुदयाल राम का भाषण चल रहा था। इसी क्रम में सदर एसडीपीओ राजेश यादव कार्यालय जाने के लिए पहुंचे थे, चूंकि समाहरणालय गेट बंद रखा गया था, इसलिए वह गेट खुलवाने लगे। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ उनकी बहस हो गई फिर सांसद दीपक प्रकाश के साथ भी उनकी बहस हुई।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

धनबाद में 'लुटेरी दुल्हन' गैंग का पदार्फाश, शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले 10 गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में शादी के नाम पर ठगी और मारपीट करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में राजस्थान के एक युवक और उसके परिवार को शादी का झांसा देकर धनबाद बुलाया गया। आरोप है कि पहले उनसे शादी की खरीदारी कराई गई और फिर एक गांव में ले जाकर युवती की मांग में सिंदूर भरवाकर शादी का नाटक किया गया। इसके बाद जब लड़के वालों ने उनके घर जाकर भोजन करने से इनकार किया, तो उनके साथ मारपीट कर उन्हें वहां से भगा दिया गया। मामले की जांच करते हुए धनबाद पुलिस ने इस कथित 'लुटेरी दुल्हन' गैंग के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

बुधवार को इस मामले में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर धनबाद डीएनपी मुख्यालय-01 कुमार विनोद ने बताया कि मामला सात सितंबर की देर शाम का है। राजस्थान निवासी रमेश नट ने बरवाअड्डा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित परिवार के अनुसार, सपना नाम की एक महिला ने तीन सितंबर को रमेश नट से फोन पर संपर्क किया और अपने भतीजे की शादी के लिए दो युवतियों की तस्वीर भेजी।

शादी की बात आगे बढ़ने के बाद रमेश अपने भाई, भतीजे इकबाल और भाभी के साथ राजस्थान से धनबाद पहुंचा। आरोप है कि यहां गिरोह में शामिल महिला और पुरुष सदस्यों ने पहले शादी के नाम पर उनसे खरीदारी कराई। इसके बाद उन्हें एक गांव में ले जाया गया, जहां युवती की मांग में सिंदूर भरवाकर शादी पूरी होने की बात कही गई।

इसके बाद लड़के वालों से घर चलकर भोजन करने को कहा गया। जब उन्होंने कथित तौर पर वहां जाने से इनकार किया, तो उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर आरोपितों तक पहुंच बनाई और अलग-अलग जगहों से 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपितों के पास से शादी के लिए खरीदे गए कपड़े और गहने सहित अन्य सामान भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में अजय दास, राजेश कुमार, मंतोष साव, सुमन विश्वकर्मा, चंदन शर्मा, नीलम देवी, पूजा कुमारी, मकरी देवी, विशु यादव और राजेंद्र साव शामिल हैं। सभी अलग-अलग इलाकों के रहने वाले बताए जा रहे हैं।धनबाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने इससे पहले भी शादी के नाम पर कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। पुलिस के अनुसार, मामले में गिरफ्तार सभी आरोपितों से पूछताछ की जा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

खनिज संशोधन कानून के विरोध में माले का धरना प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः केंद्र सरकार के खान एवं खनिज संशोधन कानून यानी एमएमडीआर कानून के विरोध में बुधवार को माले में विरोध प्रदर्शन किया। जुलूस निकाला। केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की। रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया और सभा की। मौके पर मेल विधायक चन्द्रदेव महतो और पूर्व विधायक विनोद सिंह भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए बिनोद सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एमएमडीआर कानून के जरिए झारखंड के खनिज संसाधनों पर अपना नियंत्रण बढ़ाना चाहती है।इस कानून से झारखंड के विकास की गति प्रभावित होगी और इसका लाभ बड़े पूंजीपतियों को पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।पूर्व विधायक विनोद सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि खान एवं खनिज संशोधन बिल को हंगामे के बीच बिना पर्याप्त चर्चा के पारित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी भाजपा सरकार जनता के सवालों पर घिरती है, तब बहुमत का इस्तेमाल कर महत्वपूर्ण विधेयकों को इसी तरह पारित किया जाता है। विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि जिन राज्यों में खनिज संपदा मौजूद है, वहां के विकास में स्थानीय हिस्सेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। झारखंड की खनिज संपदा से राज्य को मिलने वाले राजस्व और सेस का उपयोग प्रदेश के विकास में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए कानून का सीधा असर झारखंड जैसे खनिज बहुल राज्य पर पड़ेगा।कहा कि झारखंड से निकलने वाले खान एवं खनिज पर सेस और राजस्व के जरिए राज्य के विकास में भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। ऐसे में कानून में बदलाव से राज्य के हित और अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। नेताओं ने केंद्र सरकार से नए कानून पर पुनर्विचार करने और झारखंड के खनिज संसाधनों पर राज्य के अधिकार एवं हिस्सेदारी को सुरक्षित रखने की मांग की। धरना के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

गया पुल पर आरयूबी निर्माण के लिए रेलवे ने दी सभी आवश्यक स्वीकृतियां

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः गया पुल (ब्रिज संख्या-1) पर प्रस्तावित अतिरिक्त अंडरपास के निर्माण के संबंध में रेलवे द्वारा अपने स्तर पर आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां समयबद्ध रूप से प्रदान की गई हैं। कार्य को शीघ्र पूरा कराने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा आरसीडी एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय एवं अनुश्रवण किया जा रहा है। रेलवे के अनुसार गया पुल के लिए जीएडी की सितंबर 2022 में रेलवे द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। जीएडी का पुनर्वैधीकरण निर्धारित अवधि में कार्य प्रारंभ नहीं होने के कारण रेलवे के प्रचलित नियमों के तहत पुनर्वैधीकरण आवश्यक हुआ। आरसीडी, धनबाद द्वारा को अनुरोध किया गया तथा रेलवे द्वारा सितंबर 2025 में जीएडी का पुनर्वैधीकरण कर दिया गया। आरसीडी द्वारा अतिरिक्त आरयूबी से संबंधित डिजाइन 15.10.2025 को रेलवे को प्रस्तुत किया गया। समन्वय बैठक 27.11.2025 को आयोजित बैठक में सभी डिजाइन एवं ड्रॉइंग को 10 दिनों के भीतर अंतिम रूप देने का निर्णय लिया गया था। संशोधित डिजाइन आरसीडी द्वारा आवश्यक सुधार के बाद डिजाइन 23.12.2025 को पुनः रेलवे को प्रस्तुत किया गया। 06.01.2026 को डिजाइन स्वीकृत करते हुए कार्य तत्काल प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई। यूटिलिटी डक्ट डेक्ट के लिए भी आवश्यक कार्रवाई कर दी गई है। वर्तमान गया पुल के बीच पाइपलाइन हेतु प्रस्तावित यूटिलिटी डक्ट का जीएडी आरसीडी द्वारा 13.03.2026 को प्रस्तुत किया गया। परीक्षण में कुछ सुधार अपेक्षित पाए गए। इस पर आगे की कार्रवाई सुधारों के संबंध में चर्चा हेतु आरसीडी के प्रतिनिधियों को सूचित किया गया। प्रतिनिधियों के उपस्थित नहीं होने इसे 08.06.2026 को वापस किया गया। इसके बाद से अभी तक संशोधित ड्रॉइंग रेलवे को प्राप्त नहीं हुई है। विद्युत पोलों की शिμटंग रेलवे, आरसीडी एवं बिजली विभाग के बीच सहमति के अनुसार पोल शिμटंग हेतु आवश्यक राशि आरसीडी द्वारा बिजली विभाग को उपलब्ध कराई जानी है। रेलवे द्वारा संबंधित अनुमान 19.09.2025 को ही आरसीडी को उपलब्ध करा दिया गया था।

डीडीसी ने शहरी क्षेत्र की विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :डीडीसी सन्नी राज ने बुधवार को शहरी क्षेत्र की विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। काम की गुणवत्ता बनाए रखने और तय समय। सीमा में योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) परिसर में मुख्य द्वार एवं सड़क का निरीक्षण किया। मुख्य द्वार व सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए उप विकास आयुक्त ने इसे 25 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर प्रबंधन को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। साथ में निमार्णाधीन कैथ लैब भवन का डीएमएफटी पीएमयू, भवन निर्माण विभाग तथा विद्युत प्रमंडल के अभियंताओं के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। ताकि जनता को जल्द से जल्द आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। वहीं तेलीपाड़ा स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा और बेहतर ढांचे के दृष्टिगत जिले के सभी निमार्णाधीन केंद्रों में बाउंड्री निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मध्य विद्यालय दुर्गा मंदिर के परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र के लिए नवीन भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने तथा बालक- बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय निर्माण एवं जारी कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश भवन निर्माण विभाग के अभियंताओं को दिया। पॉलिटेकनिक में वेंचर्स द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कार्यदायी एजेंसी को निर्धारित मानकों के तहत निर्माण में गति लाने के निर्देश दिए। डीडीसी ने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर योजनाओं को तय समय पर पूर्ण करें, जिससे जनहित की इन सुविधाओं का लाभ आम जनता को अविलंब मिल सके।

दस माह के बेटे संग आग लगा मां ने की आत्महत्या की कोशिश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः के भूली थाना क्षेत्र के आजाद नगर में मां ने अपने दस माह के बेटे संग आग लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। आग लगाने के बाद मां बेटे को लेकर छत से कूद गई। दोनों बगल में बने अधिवक्ता के कार्यालय की एस्बेस्टस की छत को तोड़ते हुए नीचे गिर गए। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों और घरवालों ने मां बेटे को इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, भूली के आजाद नगर निवासी इमामुल अंसारी की बहु और शाहनवाज अंसारी उर्फ राजा की पत्नी 23 वर्षीय सहाना खातून ने अपने 10 महीने के बेटे फैजान के साथ कथित तौर पर आग लगा ली। इसके बाद सहाना बच्चे को लेकर छत से नीचे कूद गईं। बताया जा रहा है कि वह बगल स्थित अधिवक्ता श्रीकांत वर्मा के कार्यालय में जा गिरीं। महिला के

गिरने से कार्यालय की एस्बेस्टस की सीट टूट गई और वह टेबल पर जा गिरीं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से महिला और उसके मासूम बच्चे को तत्काल इलाज के लिए असर्फी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं और उनका इलाज जारी है। महिला के पिता मोहम्मद गुलाम रसूल ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बेटी का ससुराल में विवाद चल रहा था और घटना से एक दिन पहले भी बेटी और उसके पति के बीच विवाद हुआ था। उन्होंने पूरे मामले में साजिश की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। महिला के पिता का आरोप है कि घटना के वक्त उनकी बेटी से फोन पर बातचीत हुई थी और उस समय पति शाहनवाज अंसारी उर्फ राजा तथा उसकी मां के घर में मौजूद होने की बात सामने आई थी। उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और टीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। वहीं, महिला के पति शाहनवाज अंसारी ने इन आरोपों से अलग अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि घटना के वक्त वह घर में मौजूद नहीं थे। उनके मुताबिक वह अपने माता-पिता के साथ सामान लाने के लिए बाहर गए हुए थे। घर लौटने पर बाहर भीड़ देखी और घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद सभी मिलकर महिला और बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे।

बाल विवाह निषेध दिवस की वैश्विक मान्यता पर ट्रस्ट कार्यकताओं ने मनाई खुशी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की मासिक बैठक बुधवार को ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय ममता कुंज, कंचनपुर में संस्थापक शंकर रवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 27 नवंबर को विश्व बाल विवाह निषेध दिवस के रूप में मनाने की घोषणा का स्वागत करते हुए कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर संस्थापक शंकर रवानी ने कहा कि भारत के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक जिले, राज्य और देश को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ गांव-गांव में जागरूकता अभियान को और मजबूत किया जाएगा। इसके लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। बैठक में बाल विवाह की रोकथाम, बच्चों की सुरक्षा तथा समुदाय की भागीदारी बढ़ाने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा किया गया। कार्यकताओं ने बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरूक करने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार अभियान चलाने का संकल्प लिया। मौके पर कोषाध्यक्ष बिनोद महतो, जिला समन्वयक सीता कुमारी, नाइमुद्दीन अंसारी, ममता रवानी, दीपा रवानी, पूजा महतो, पूजा कुमारी, आशा महतो, गुलनाज बानो, बेबी प्रियंका, लक्ष्मी देवी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षक सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे अधिकारी क्लब, धनबाद में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया` समारोह में जैक एंड जिल मॉन्टेसरी स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया` कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया` तत्पश्चात भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया साथ ही स्काउट एंड गाइड के बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्रा ने सभी शिक्षकों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिया। समारोह के अवसर पर उपाध्यक्ष मृणालिनी, अल्पना झा, सचिव मीनाक्षी, शैली, मुस्कान सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रणधीर वर्मा चौक से कोर्ट रोड तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रणधीर वर्मा चौक से लेकर कोर्ट रोड तक बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। एसडीओ लोकेश बारंगे की की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया। ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की टीम ने रणधीर वर्मा चौक से डीआरएम चौक तक कार्रवाई की। इस दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, काउंटर, गुमटी समेत अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। अभियान के दौरान नगर निगम के बुलडोजर और ट्रैक्टर की मदद से सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई में कई सामान जब्त किए गए, जिन्हें ट्रैक्टर के जरिए नगर निगम कार्यालय ले जाया गया। सड़क पर और किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े बाइक समेत अन्य वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। प्रशासन के अनुसार, कोर्ट रोड पर लगातार लगने वाले जाम और बढ़ते अतिक्रमण के कारण आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए यह अभियान चलाया गया। एसडीओ लोकेश बारंगे ने कहा कि कोर्ट रोड शहर का बेहद महत्वपूर्ण और व्यस्त मार्ग है। यहां अवैध तरीके से काउंटर, गुमटी और ठेले लगाने के साथ वाहनों के बेतरतीब खड़े होने से यातायात प्रभावित होता है। आम जनता की सुविधा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शहर की प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भू-धंसान में मरे बच्चे के परिजनों को मुआवजा के लिए धरना प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बीसीसीएल एरिया-5 सिजुआ के तीन पटिया में मंगलवार सुबह हुए भयावह भू- धंसान में एक बच्चे की मौत और करीब आधा दर्जन लोगों के घायल होने के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। घटना में करीब एक दर्जन मकान जमीन में धंस गए अथवा उनमें दरारें पड़ गईं। बच्चे की मौत के विरोध में स्थानीय लोगों ने मंगलवार को करीब 14 घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। पोस्टमार्टम के बाद मृत बच्चे का शव लेकर परिजन एवं स्थानीय लोग सिजुआ एरिया महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचे और शव रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों की मांग है कि मृतक के परिजन को उचित मुआवजा देने के साथ प्रभावित परिवारों को नियोजन एवं जरेडा के तहत सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जाए। मृतक बच्चे के पिता भीम बहादुर उर्फ गुड्डू ने भावुक होकर कहा कि अपने मृत बच्चे की क्या कीमत लगाएं। पूरा परिवार अस्पताल में है और बड़े बेटे का साथ छूट गया। प्रबंधन उचित मुआवजा दे। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर शिकायत भी दर्ज कराई गई है। वहीं अशोक प्रकाश लाल ने कहा कि प्रबंधन की दोहरी नीति स्वीकार नहीं की जाएगी। कहीं अलग और कहीं अलग मुआवजा देने की व्यवस्था नहीं चलेगी। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने तथा प्रभावित परिवारों को नियोजन एवं जरेडा के तहत सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से चल रही कथित अवैध माइनिंग के कारण भू-धंसान की घटना हुई है और इसके लिए बीसीसीएल प्रबंधन पूरी तरह जिम्मेदार है। मनोज कुमार ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन के अन्य एरिया में हुई समान घटनाओं में 10 लाख रुपये तक मुआवजा दिए जाने की बात सामने आई है। उसी प्रावधान के तहत इस घटना में भी पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाना चाहिए। फिलहाल शव रखकर आंदोलन जारी है और प्रबंधन की ओर से वार्ता के लिए कोई अधिकारी सामने नहीं आया है। मुआवजे को लेकर मंगलवार को प्रबंधन एवं स्थानीय लोगों के बीच हुई वार्ता भी विफल रही थी।

गुनघसा मध्य विद्यालय में पौधरोपण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : तोपचांची के मध्य विद्यालय, गुनघसा में लायंस क्लब हरिना, फीट ओ लाइफ और रेलवे सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम व पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। कार्यक्रम के दौरान आरपीएफ अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को भारतीय रेलवे के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 की कार्यप्रणाली और आपात स्थिति में इसके उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। इसके अलावा, रेल यात्रा के दौरान महिला व बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए 'मेरी सहेली' अभियान और ऐप की जानकारी दी गई।जागरूकता सत्र के बाद सामाजिक संस्थाओं और आरपीएफ की टीम ने विद्यालय प्रांगण में फलदार व छायादार पौधे लगाए। साथ ही बच्चों के बीच बिस्कुट का वितरण किया गया और आपातकालीन प्राथमिक उपचार के लिए स्कूल प्रबंधन को फर्स्ट एड किट सौंपी गई।इस मौके पर गोमो रेलवे सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर विमल कुमार और सब इंस्पेक्टर शाकिब अंसारी ने अपनी टीम के साथ बच्चों को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कार्यक्रम में लायंस क्लब हरिना के प्रतिनिधि सुनील कुमार सिंह, रवि बरनवाल, दयाल महतो सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

संक्षिप्त खबरें

कोल्हान विवि की अकादमिक परिषद में कुणाल अजमानी सदस्य मनोनीत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,:कोल्हान विश्वविद्यालय ने अकादमिक परिषद का पुनर्गठन किया है। नवगठित अकादमिक परिषद में व्यापार एवं उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

कुणाल अजमानी को अकादमिक परिषद में शामिल किए जाने का उद्देश्य उच्च शिक्षा और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाई और पाठ्यक्रम को उद्योगों की बदलती जरूरतों से जोड़ने और विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में उनके अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है।

कुणाल अजमानी झारखंड चेंबर के अध्यक्ष के रूप में व्यापार और उद्योग से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। आजमानी पूर्व में भी डायरेक्ट टैक्सेस में स्टेट एडवाइजरी बोर्ड, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया में दो साल तक सदस्य रहे हैं। साथ ही एयरपोर्ट एडवाइजरी बोर्ड में भी दो कार्यकाल के लिए सदस्य रहे हैं। वर्तमान में पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष हैं।

अब आजमानी को सदस्य बनने पर कोल्हान विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद में उनकी नई भूमिका से शिक्षा, उद्योग और रोजगार के बीच संबंध को मजबूती मिलेगी।

उनके मनोनीत होने पर झारखंड चैंबर के सदस्यों, पंजाबी हिंदू बिरादरी सहित कई व्यवसायिक, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने बधाई दी है।

प्रखंड मुख्यालयों में झामुमो का धरना 19 को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने स्थगित धरना कार्यक्रम की नई तारीख घोषित कर दी है। अब पार्टी का एक दिवसीय धरना 19 सितंबर 2026 को राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में होगा।

पार्टी की ओर से महासचिव विनोद पांडेय ने इस संबंध में बुधवार को पत्र जारी कर बताया है कि 07 सितंबर को होने वाला धरना 06 सितंबर को पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य और झारखंड सरकार के मंत्री के आकस्मिक निधन के कारण स्थगित कर दिया गया था। अब इसे 19 सितंबर को आयोजित करने का फैसला लिया गया है।

झामुमो का यह धरना केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में होगा। पार्टी खास तौर पर खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 का विरोध कर रही है। इस विधेयक से झारखंड और यहां के लोगों को आर्थिक नुकसान हो सकता है।

इसके साथ ही पार्टी केंद्र सरकार पर झारखंड की बकाया राशि को लेकर भी सवाल उठाएगी। झामुमो का आरोप है कि केंद्र झारखंड की बकाया राशि को रोकने या हड़पने की कोशिश कर रहा है।

पार्टी ने सभी जिला अध्यक्षों, सचिवों, संयोजकों और केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों को धरने की जानकारी संगठन के सदस्यों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। पार्टी ने अधिक से अधिक लोगों से धरने में शामिल होने की अपील की है। आगे के कार्यक्रमों की जानकारी बाद में जारी की जाएगी।

मोबाइल चोरी करते आरोपित गिरफ्तार, चार मोबाइल बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । रांची के सदर अस्पताल रांची के आसपास लगातार हो रही मोबाइल चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने जांच अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने अस्पताल परिसर में मोबाइल चोरी करते एक व्यक्ति को धर दबोचा।

आरोपित की पहचान राशिद जमील उर्फ राशिद खान के रूप में हुई है। वह स्थायी रूप से भीठा बस्ती, थाना गोंदा का रहने वाला है और वर्तमान में पत्थलकुदवा स्थित इस्लाम नगर में रह रहा था। मामले में पिठोरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले ब्रिक्रम नायक के आवेदन पर लोअर बाजार थाना में दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर चोरी के कुल चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि सदर अस्पताल के आसपास मोबाइल चोरी की घटनाओं को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टाइगर मोबाइल, पीसीआर और माइक टीम को विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया था।

छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी लव कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार रजक, पुलिस अवर निरीक्षक सुधीर बाड़ा, सहायक अवर निरीक्षक मो मुख्तार थाना सशस्त्र बल शामिल थे।

प्रणामी मंदिर में 10 को धूमधाम से मनेगा श्री कृष्ण छठी महोत्सव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का छठी महोत्सव 10 सितंबर को हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया जाएगा। परमहंस संत डॉ सदानंद महाराज के पावन सानिध्य में एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से आयोजित महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में अहम बैठक कर विशेष तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

इस दौरान ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि छठी महोत्सव पर श्री राधा-कृष्ण का आकर्षक आभूषणों से भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण को सुंदर झूले में विराजमान कर झूलन उत्सव भी मनाया जाएगा। श्रद्धालु भगवान के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे।

महोत्सव के दौरान भगवान को केसरिया खीर, पेड़ा, माखन-मिश्री, पंजीरी, फल और नारियल सहित विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। मंदिर के पुजारी विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर भोग अर्पित करेंगे। इसके बाद विशेष आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन होगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल और उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि श्रीकृष्ण छठी महोत्सव भक्ति, प्रेम, सेवा और सामूहिक आनंद का पर्व है। भगवान की बाल लीलाओं का स्मरण श्रद्धालुओं को वात्सल्य, समर्पण और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

ट्रस्ट ने रांची और आसपास के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

गणेश चतुर्थी के आयोजन को लेकर उपायुक्त से पूजा समितियों ने की मुलाकात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । आगामी गणेश चतुर्थी के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर विभिन्न गणेश पूजा समितियों के सदस्यों ने बुधवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से मुलाकात की।

इस दौरान पूजा समितियों की ओर से पर्व के दौरान आवश्यक प्रशासनिक एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन से सहयोग का आग्रह किया गया।

उपायुक्त ने पूजा समितियों को जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पर्व के सफल आयोजन में पूजा समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी समितियां प्रशासन और पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार का आयोजन सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने मूर्ति विसर्जन के दौरान संबंधित थाना के साथ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि विसर्जन प्रक्रिया सुचारू एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।उन्होंने पूजा समितियों को ध्वनि प्रदूषण से संबंधित निर्धारित मानकों और नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा।उपायुक्त ने सभी पूजा समितियों और आम नागरिकों से मिल-जुलकर गणेश चतुर्थी का पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।

पूजा समितियों की ओर से उपायुक्त और प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

मौके पर शांति समिति के सदस्य सागर कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सचिव ने रिम्स में कैंटिन सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को रिम्स की वित्त एवं लेखा समिति की बैठक हुई। इसके साथ ही उन्होंने कैंटिन और रिम्स की अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने बैठक करते हुए रिम्स में आधुनिक कैंटीन विकसित करने के लिए विस्तृत एस्टीमेट तैयार करने, पैरामेडिकल छात्रों के हॉस्टल और पूरे परिसर की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया।

एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर छात्रों को स्टाइपेंड देने के पूर्व निर्णय के अनुपालन और नीट-यूजी कोचिंग शुरू होने पर भी संतोष जताया गया। इस दौरान रेडियोथेरेपी की समीक्षा में बताया गया कि प्रतिदिन करीब 40 मरीजों को उपचार मिल रहा है। अपर मुख्य सचिव ने टेक्नीशियनों की संख्या बढ़ाने को कहा, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके। उन्होंने चिकित्सा उपकरणों की खरीद में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन करने और जेम की दरों से तुलना के बाद खरीद करने का निर्देश दिया।

साथ ही आवश्यक और अनुपयोगी मशीनों की मैपिंग कर नई खरीद एवं पुरानी मशीनों के नियमानुसार निस्तारण की बात कही। बैठक में पांच पदों पर भर्ती, बर्न वार्ड के उपकरण, रोबोटिक सर्जरी, फायर सिस्टम के रखरखाव सहित सात प्रस्तावों पर खास चर्चा हुई। बैठक के बाद उन्होंने निमार्णाधीन भवन, ड्रेनेज, बेसमेंट और वार्डों का निरीक्षण किया। मरीजों से सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ भोजन की गुणवत्ता जांची और स्वच्छता, रखरखाव व वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

शहर में लगे अवैध विज्ञापन लगाने पर रांची नगर निगम करेगी कार्रवाई

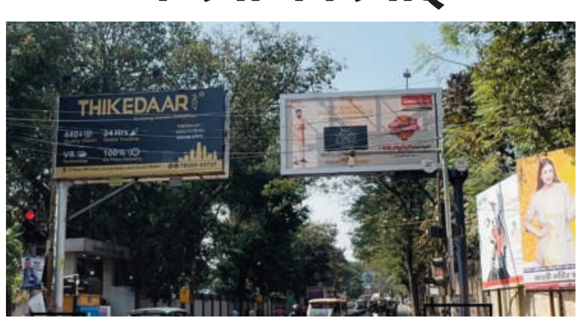

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : रांची नगर क्षेत्र में नियम के विरुद्ध लगाए गए होर्डिंग, विज्ञापन बोर्ड, यूनिपोल और मोनोपोल के खिलाफ रांची नगर निगम अब निर्णायक कार्रवाई करेगी। सार्वजनिक सूचना जारी कर संबंधित विज्ञापन एजेंसियों और विज्ञापनदाताओं को संरचनाएं स्वयं हटाने के लिए पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद करीब 350 चिन्हित विज्ञापन ढांचे अब भी नहीं हटाए गए हैं।निगम की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि निगम के अनुसार 10 सितंबर 2026 की मध्यरात्रि 12 बजे के बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष हटाओ अभियान शुरू किया जाएगा।

अभियान के तहत चिन्हित नियम विरुद्ध होर्डिंग, यूनिपोल, मोनोपोल और अन्य विज्ञापन संरचनाओं को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर संरचनाओं की जब्ती भी की जाएगी।

निगम ने स्पष्ट किया है कि अब स्वयं संरचना हटाने के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।नगर निगम ने कहा कि कार्रवाई झारखंड उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन में की जा रही है। साथ ही उच्चतम न्यायालय कोर्ट की ओर से सिविल अपील को नागरिकों के राईट टू वॉक को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दिए जाने का भी हवाला दिया गया है।निगम का कहना है कि सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक परिसंपत्तियों पर अवैध विज्ञापन ढांचे नागरिकों के सुरक्षित आवागमन में बाधा डालते हैं। निगम ने संबंधित एजेंसियों से कार्रवाई शुरू होने से पहले नियम विरुद्ध संरचनाएं स्वयं हटाने की अपील की है। कार्रवाई और जब्ती से होने वाले खर्च की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी या विज्ञापनदाता की होगी।

एसआईआर अंतर्गत सुनवाई के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए लागू होगा टोकन सिस्टम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआ-ईआर) से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

ऑनलाइन बैठक में उप विकास आयुक्त संजय कुमार भगत, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण सहित सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ एवं एडिशनल ईआरओ उपस्थित थे।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दावा-आपत्ति की सुनवाई, नोटिस वितरण, फॉर्म-6 के डिजिटाइजेशन और ईआरओ और एईआरओ स्तर पर प्रपत्रों के निष्पादन की विधानसभावार समीक्षा की गई।

भीड़ नियंत्रण के लिए टोकन सिस्टम लागू करने का निर्देश

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने दावा-आपत्ति की सुनवाई के दौरान टोकन सिस्टम लागू करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुनवाई स्थल पर भीड़ का सुव्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए और दिव्यांग, बुजुर्ग एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्या वाले मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुनवाई के दौरान प्राप्त सभी आवश्यक दस्तावेजों का समुचित डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए।

फॉर्म-6 के डिजिटाइजेशन में तेजी लाने का निर्देश

भजन्त्री ने बीएलओ स्तर पर फॉर्म-6 के डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिया। साथ ही फॉर्म-6 और फॉर्म-8 से संबंधित प्रपत्रों के ईआरओ, एईआ-रओ स्तर पर निष्पादन की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

उन्होंने सभी ईआरओ, एईआ-रओ को निर्देशित किया कि दावा-आपत्ति से संबंधित मामलों की सुनवाई एवं नोटिस वितरण की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूरी की जाए।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि दावा-आपत्ति की सुनवाई के दौरान अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें। किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। प्राप्त दस्तावेजों एवं दावों की नियमानुसार जांच के बाद ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी एईआरओ को नजरी नक्शे के अनुसार संबंधित बूथ भ्रमण का निर्देश दिया।बैठक में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब और चुनावी पाठशाला के संचालन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।साथ ही इसीनेट ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार और मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी डिजिटल सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।बीएलए-2 की ओर से फॉर्म-9, फॉर्म -10, फॉर्म -11, फॉर्म -11ए और फॉर्म -11बी उपलब्ध कराए जाने की भी समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि उक्त प्रपत्रों के हस्तांतरण की प्रक्रिया नियमानुसार, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए एवं इसका उचित रिकॉर्ड का निपटारा किया जाए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्यों में समन्वय, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अनुपालन किया जाए।

झारखंड की 11.7 प्रतिशत किशोरियां गर्भवती, 29.2 प्रतिशत महिलाओं का वजन बेहद कम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । झारखंड में करीब हर तीन में से एक महिला 29.2 प्रतिशत बेहद कम वजन की है, जबकि 16.9 प्रतिशत महिलाएं अधिक वजन और मेटाबॉलिक जोखिमों का सामना कर रही हैं। 20-24 वर्ष की 28 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हुआ, वहीं 11.7 प्रतिशत किशोरियां गर्भवती हैं या फिर मां बन चुकी हैं।

यह चिंताजनक आंकड़े बुधवार को झारखंड सरकार और चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सिनी) के संयुक्त सहयोग से रांची में आयोजित प्री कंसेप्शन केयर पर राज्यस्तरीय परामर्श बैठक में जारी किए गए। विशेषज्ञों ने इसे स्वास्थ्य, पोषण, परिवार नियोजन, शिक्षा और बाल संरक्षण कार्यक्रमों से जोड़कर राज्यस्तरीय दिशानिर्देश तैयार करने पर जोर दिया।बैठक में विशेषज्ञों ने गर्भावस्था के साथ-साथ गर्भधारण से पहले की स्वास्थ्य देखभाल को स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चे की नींव गर्भावस्था के दौरान नहीं, बल्कि उससे पहले रखी जाती है।

किशोरावस्था से ही पोषण, एनीमिया की रोकथाम, मानसिक एवं प्रजनन स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली पर ध्यान देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

एनएचएम झारखंड के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है। समय पर स्क्रीनिंग, उचित उपचार, निरंतर परामर्श और फॉलोअप जरूरी है।

सिनी के चीफ ऑफ प्रोग्राम्स मेघेंद्र बनर्जी ने कहा कि बेहतर गर्भावस्था परिणामों के लिए प्री कंसेप्शन केयर को लेकर जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिशा-निर्देश और कार्यान्वयन व्यवस्था की जरूरत है।

बैठक में सिटी के समुदाय आधारित मॉडल, शोध साक्ष्य और झारखंड के अनुभव साझा किए गए।

जेपीएससी भर्ती धांधली मामले में अभय तिवारी की जमानत याचिका खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, । झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़ी भर्ती परीक्षा में कथित धांधली के मामले में जेल में बंद आरोपित अभय तिवारी को अदालत से राहत नहीं मिली। सीआईडी कांड संख्या 16/2026 में आरोपित अभय तिवारी की जमानत याचिका सीआईडी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत ने बुधवार को खारिज कर दी।

मंगलवार को अदालत में जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गई थीं। इसके बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी।

सुनवाई के दौरान सीआईडी ने अभय तिवारी की जमानत का कड़ा विरोध किया। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि अभय तिवारी मामले में कथित तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला आरोपित है और ऐसे नेटवर्क से जुड़ा था, जिसके माध्यम से परीक्षा एवं नियुक्ति में कथित गड़बड़ी की गई। सीआईडी के अनुसार, अभय तिवारी टीडीपीएल कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि इसी दौरान उसने अपने रिश्तेदारों सहित कई अभ्यर्थियों से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लिए। जांच के दौरान ऐसे लोगों के संबंध में जानकारी सामने आने का दावा किया गया है, जिनसे कथित तौर पर पैसे लेकर नियुक्ति में मदद करने की बात कही गई थी।

के.सी. वेणुगोपाल से मिले इरफान अंसारी, एसआ-ईआर-एमएमडीआर समेत झारखंड के मुद्दों पर हुई चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड से जुड़े विभागीय और संगठनात्मक विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपी और चर्चा की।

इरफान अंसारी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुलाकात के दौरान झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए जा रहे कार्यों, स्वास्थ्य व्यवस्था में हो रहे बदलावों और जनहित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी वेणुगोपाल को दी गई। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में स-रकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों और उनकी प्रगति से भी अवगत कराया।बैठक में एसआईआर को लेकर आम लोगों में बढ़ती चिंता, परेशानी और आक्रोश का मुद्दा भी उठाया गया। इसके अलावा एमएमडीआर से जुड़े विषयों, विभिन्न जिलों में कांग्रेस की ओर से आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर संगठन की गतिविधियों की भी जानकारी साझा की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वेणुगोपाल ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संगठन तथा जनहित से जुड़े मामलों पर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। मुलाकात के बाद इरफान अंसारी ने कहा कि वेणुगोपाल का मार्गदर्शन और विश्वास हमेशा मनोबल बढ़ाता है।

रांची में जर्जर पानी की टंकी अचानक ढही, एक मजदूर की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी रांची के कोतवाली थाना परिसर के पीछे मंगलवार की शाम एक बड़ा हादसा हो गया। यहां बनी पुरानी और जर्जर पानी की टंकी अचानक भरभराकर जमीन पर गिर पड़ी। घटना में एक मजदूर की दबने से मौत हो गई।

इधर, टंकी के ध्वस्त होते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी कि मलबे के अंदर एक और मजदूर दबा हो सकता है। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम की टीम भी बुलाई गई। जेसीबी की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया गया, ताकि पता चल सके कि मलबे के नीचे कोई व्यक्ति दबा है या नहीं। पुलिसकर्मी और नगर निगम के कर्मचारी लगातार मलबा हटाने में जुटे हुए हैं। कोतवाली थाना प्रभारी सनोज चौधरी ने बताया कि दो

मजदूरों के अंदर दबे होने की सूचना मिली है। इसमें से एक मजदूर का शव बरामद हुआ है। खबर लिखे जाने तक जेसीबी सहित सभी जरूरी संसाधन लगाकर मलबा हटाने का कार्य तेजी से चल रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, कोतवाली थाना के पीछे काफी पुरानी पानी की टंकी बनी हुई थी। लंबे समय से देखरेख के अभाव और पुराना होने के कारण उसकी हालत जर्जर हो चुकी थी। मंगलवार की शाम अचानक टंकी का ढांचा कमजोर पड़ गया, भरभराने लगा और देखते ही देखते पूरी संरचना जमीन पर आ गिरी।टंकी गिरने के बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि जिस समय टंकी गिरी, उस दौरान वहां मजदूर मौजूद थे और संभव है कि वे मलबे में दब गए हों। इसी आशंका के आधार पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मलबा हटाने का काम शुरू कराया। जेसीबी से बड़े हिस्से का मलबा हटाया जा रहा है, जबकि पुलिस की टीम लगातार यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अंदर कोई व्यक्ति फंसा हुआ है या

संक्षिप्त खबरें

रोजगार की तलाश में परदेस गया अनिल, लौटा घर में उसकी अर्थी

श्रीरामपुर लिलुआ की सुपर एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में था चालक

कंपनी के दो कर्मियों से विवाद के बाद लात-घूंसों और लाठी से बेरहमी से पिटाई का आरोप

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रोजी- रोटी कमाने के लिए घर-परिवार से दूर कोलकाता गया भेड़वा गांव का अनिल यादव अब कभी वापस नहीं लौटेगा। जिस घर से वह बच्चों और परिवार का पेट पालने की उम्मीद लेकर परदेस गया था, बुधवार की सुबह उसी घर में उसकी अर्थी पहुंची। सोमवार को कंपनी में हुए विवाद के बाद उसकी कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इधर, घर शव पहुंचने पर उसे देखते ही पत्नी, बच्चों और परिजनों की चीख-पुकार से पूरा गांव दहल उठा। अनिल की मौत की खबर से भेड़वा गांव में मातम पसरा हुआ है।फतेहपुर थाना क्षेत्र के भेड़वा गांव निवासी परमेश्वर यादव का पुत्र अनिल यादव पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर लिलुआ स्थित सुपर एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में चालक के रूप में काम करता था। परिजनों के अनुसार, सात सितंबर की सुबह वह रोज की तरह कंपनी में ड्यूटी करने गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर कंपनी में कार्यरत दो कर्मियों से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों ने अनिल की लात-घूंसों और लाठी से बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में गंभीर रूप से घायल अनिल को कंपनी के अन्य कर्मियों ने किसी तरह बचाया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों आरोपितों के फरार होने की बात बताई जा रही है। परिजनों की शिकायत पर श्रीरामपुर थाने में दोनों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद बुधवार सुबह शव भेड़वा गांव पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पत्नी और बच्चों का विलाप देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। बाद में गया स्थित विष्णुपद श्मशान घाट पर गमगीन माहौल में अनिल का अंतिम संस्कार किया गया। रोजगार के लिए घर से निकले युवक की इस तरह हुई मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

दानापुर एक्सप्रेस में लावारिस मिले चार बैग, 41 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद

गझंडी स्टेशन पर आरपीएफ की जांच के दौरान सीट के नीचे मिले ट्रॉली व पिट्ठू बैग

27,920 रुपये कीमत की शराब उत्पाद विभाग कोडरमा को सौंपी गई

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : गझंडी रेलवे स्टेशन पर बुधवार को आरपीएफ की टीम ने दानापुर एक्सप्रेस से लावारिस हालत में रखे चार बैग बरामद किए। बैग की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब मिली। आरपीएफ ने शराब को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया।

आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि पोस्ट के सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में जवान बुधवार दोपहर करीब 2:50 बजे गझंडी स्टेशन पर संदिग्ध एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की जांच कर रहे थे। इसी दौरान 3:03 बजे स्टेशन पर पहुंची 13233 दानापुर एक्सप्रेस के कोच संख्या ईसी164482/सी की जांच की गई। जांच के दौरान सीट के नीचे दो ट्रॉली बैग और दो पिट्ठू बैग संदिग्ध अवस्था में रखे मिले। आसपास बैठे यात्रियों से बैग के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी अपना दावा नहीं किया। शंका होने पर आरपीएफ ने चारों बैग खुलवाकर जांच की। लाल रंग के ट्रॉली बैग से इंपीरियल ब्लू व्हिस्की की 14 बोतल, आसमानी रंग के ट्रॉली बैग से 13 बोतल, नीले पिट्ठू बैग से छह बोतल इंपीरियल ब्लू तथा दूसरे आसमानी-नीले पिट्ठू बैग से ऑफिसर्स च्वाइस एलीट की आठ बोतल शराब बरामद हुई। सभी बोतलों की क्षमता 750-750 मिलीलीटर थी।उन्होंने बताया कि बरामद शराब की कुल मात्रा 30.750 लीटर और अनुमानित कीमत 27,920 रुपये है। सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने उपलब्ध गवाहों के समक्ष शाम 3:20 बजे जब्ती सूची तैयार कर शराब जब्त की। कार्रवाई में प्रधान आरक्षी अरुण कुमार राम, आरक्षी जितेंद्र कुमार तथा अपराध आसूचना शाखा धनबाद के प्रधान आरक्षी ब्रजेश कुमार शामिल थे। बाद में जब्त शराब उत्पाद विभाग को सुपुर्द कर दी गई।

तीन लाख का झांसा देकर कागज की गड्डी थमा 20 हजार रुपए ऐंठ लिए

पीएनबी से रुपये निकालते ही दो ठगों ने किया पीछा, प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय के पास दिया वारदात को अंजाम

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर बाजार में बुधवार को दिनदहाड़े ठगों ने कागज की गड्डी को नोटों की गड्डी बताकर एक व्यक्ति से 20 हजार रुपये ठग लिए। ठगों ने पीड़ित को तीन लाख रुपये देने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और रुमाल में बंधा कागज का बंडल थमाकर उससे 20 हजार रुपये ऐंठ लिए। घटना के बाद पीड़ित ने फतेहपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।बताया जाता है कि फतेहपुर थाना क्षेत्र के रसुना गांव निवासी राजेश सिंह उर्फ बढ़न बुधवार को करीब 11:30 बजे फतेहपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से रुपये निकालकर बाहर निकला था। इसी दौरान दो की संख्या में रहे ठगों ने बैंक से ही उसका पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ दूर जाने के बाद दोनों ने उसे अपने विश्वास में लिया और बातचीत के दौरान तीन लाख रुपये देने का प्रलोभन दिया। ठगों ने पीड़ित को बताया कि उनके पास तीन लाख रुपये हैं, लेकिन तत्काल जरूरत के कारण वे इसे कम कीमत में देने को तैयार हैं। इसके बाद प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय के पास ठगों ने रुमाल में बंधा एक बंडल पीड़ित को दिखाया और उसे नोटों की गड्डी बताया। बातों में फंसाकर ठगों ने उससे 20 हजार रुपये ले लिए और कागज का बंडल थमाकर मौके से निकल गए। बताया गया कि बाद में बंडल खोलने पर उसमें नोटों के बजाय कागज के टुकड़े मिले। ठगी का एहसास होते ही पीड़ित के होश उड़ गए। उसने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस बैंक और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ ठगों की पहचान में जुटी है।

रेलवे संपत्ति की चोरी कर कबाड़ी को बेचने के मामले में दो गिरफ्तार

आरपीएफ ने कबाड़ी दुकान पर छापेमारी कर रेलवे के चदरे और पेंड्रोल क्लिप किए जब्त

गया जी(एजेंसी) : । पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन आरपीएफ की टीम ने रेलवे संपत्ति की चोरी और अवैध रूप से खरीद-बिक्री के मामले में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए गया जी शहर के शिखर मोड़ स्थित संजय कबाड़ी दुकान में छापेमारी कर रेलवे में उपयोग होने वाले लोहे के नौ छोटे-बड़े चदरे और दो पेंड्रोल क्लिप बरामद किए। बरामद रेलवे संपत्ति की अनुमानित कीमत 4105 रुपये बताई गई है। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव के निर्देशन में उप निरीक्षक आरके सिंह, उप निरीक्षक विकास कुमार, सहायक उप निरीक्षक सनाउल्लाह खान तथा आरक्षियों की टीम ने छापेमारी की। मौके से कबाड़ी दुकान संचालक संजय कुमार गिरफ्तार किया गया। वह मानपुर थाना क्षेत्र के कुम्हार टोली, वार्ड संख्या 50 का रहने वाला बताया गया है।

पूछताछ में संजय ने आरपीएफ को बताया कि रेलवे का चदरा और अन्य लोहे की सामग्री बंटी कुमार नामक व्यक्ति ने उसे बेची थी। इसके बाद उसकी निशानदेही पर आरपीएफ टीम ने इकबाल नगर निवासी बंटी कुमार को रेलवे में उपयोग होने वाले 11 पेंड्रोल क्लिप चोरी करते हुए गिरफ्तार कर लिया।आरपीएफ ने दोनों आरोपियों के कब्जे से बरामद रेलवे सामग्री को जब्त कर लिया। मामले में उप निरीक्षक आरके सिंह के शिकायत पत्र के आधार पर आरपीएफ पोस्ट गया में कांड संख्या 7/26 के तहत रेलवे संपत्ति अधिनियम की धारा 3 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गंगा विघा की नई सड़क पर आहर का कहर, खेत में समा गयी सड़क का बड़ा हिस्सा

जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से बढ़ी परेशानी, ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मरम्मत की मांग की

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड के गया-करियादपुर मुख्य सड़क से गंगा विघा गांव को जोड़ने वाली लिंक रोड इन दिनों बड़ी आहर के पानी की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई है। आहर में पानी बढ़ने के बाद जलनिकासी का रास्ता नहीं मिलने से पानी सड़क के ऊपर से तेज धार के साथ बह रहा है। पानी के लगातार बहाव और मिट्टी के कटाव के कारण करीब छह माह पहले बनी नई सड़क का एक बड़ा हिस्सा कटकर खेत में समा गया है। इससे ग्रामीणों के साथ राहगीरों और वाहन चालकों के लिए आवागमन का संकट उत्पन्न हो गया है।

सड़क अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई और पानी के तेज बहाव में बह गया बड़ा हिस्सा ग्रामीणों ने बताया कि सड़क का निर्माण करीब छह माह पूर्व कराया गया था। सड़क अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई थी कि बारिश के बाद बड़ी आहर में पानी बढ़ गया। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं रहने के कारण आहर का पानी सड़क के ऊपर से बहने लगा। तेज बहाव ने सड़क के किनारे की मिट्टी को काटना शुरू किया और देखते ही देखते सड़क का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क के आसपास लगातार कटाव जारी रहने से इसके और टूटने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में सड़क का बचा हिस्सा भी कट सकता है। इससे गंगा विघा समेत आसपास के ग्रामीणों को मुख्य सड़क तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क की स्थिति की जानकारी कई जनप्रतिनिधियों को फोन के माध्यम से दी गई है। इसके बावजूद अब तक स्थल निरीक्षण, जलनिकासी की व्यवस्था अथवा क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से अविलंब स्थल का निरीक्षण कर पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने तथा सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

गणेश महोत्सव 15 सितंबर को, 14 सितंबर को मनाया जाएगा चौठचंद्र

सुपौल, (एजेंसी) : वर्ष 2026 में गणेश महोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत की तिथि को लेकर पंचांग परंपराओं के आधार पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। मिथिला की पंचांग परंपरा के अनुसार इस वर्ष श्रीगणेश पूजनोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत 15 सितंबर 2026, मंगलवार को मनाया जाएगा। वहीं चौठचंद्र (चौरचन) पर्व 14 सितंबर, सोमवार की शाम को मनाया जाएगा।

प्राप्त तिथि-गणना के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:27 बजे प्रारंभ होकर 15 सितंबर को सुबह 8:03 बजे तक रहेगी। इसके बाद पंचमी तिथि शुरू हो जाएगी। धर्मशास्त्रीय परंपरा में एक मत के अनुसार गणेश पूजन के लिए मध्याह्न काल में चतुर्थी की व्याप्ति को प्रमुख माना जाता है। इस आधार पर 14 सितंबर को गणेश पूजन के लिए ग्राह्य माना जा सकता है, क्योंकि इस दिन मध्याह्न काल में चतुर्थी विद्यमान रहेगी।हालांकि, मिथिला पंचांग परंपरा, जिसमें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पंचांग एवं वैदेही पंचांग शामिल हैं, के अनुसार 15 सितंबर को गणेशोत्सव मनाना अधिक उपयुक्त माना गया है। इसके पीछे उदयातिथि, परविद्धा तिथि तथा चतुर्थी-पंचमी के संयोग को प्रमुख आधार बताया गया है। 15 सितंबर को सूर्योदय के समय चतुर्थी तिथि विद्यमान रहेगी और लगभग सुबह 8:03 बजे तक चतुर्थी रहेगी।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा प्राथमिकता: ज्योति मांझी

गया जी(एजेंसी) : राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में महिला जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व को मजबूत करने और नीति निर्माण में जेंडर-संवेदनशील दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिला विधायकों को संसदीय प्रक्रियाओं, बजटीय प्रावधानों, कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा महिलाओं से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए सक्षम बनाना है।

कार्यशाला में विशेष रूप से जेंडर बजटिंग, विधायी प्रक्रिया और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। महिला जनप्रतिनिधियों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में आजीविका, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक कैसे पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ हिंसा, साइबर अपराध, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और पारिवारिक विवादों से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। बाराचट्टी विधायक ज्योति मांझी ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं महिला जनप्रतिनिधियों के लिए बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाने के बजाय उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी देना जरूरी है।

गया जी शहर में वाहन जांच अभियान हुआ तेज, 6.50 लाख का वसूला गया जुमार्ना

लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र व कागजात की जांच, नाबालिग चालकों पर भी नकेल

गया जी (एजेंसी) : गया जी मे आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला को लेकर गया जी शहर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन ने वाहन जांच अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में सदर एसडीओ और यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने संयुक्त रूप से विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सघन जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, वाहन के आवश्यक कागजात समेत अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।अभियान के दौरान बालिग के साथ-साथ नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर भी विशेष नजर रखी गई। अधिकारियों ने अभिभावकों से नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं चलाने देने की अपील की। जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेज, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई।बाईपास, घुघरीटांड़, बोधगया रोड, माड़नपुर समेत शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहन जांच की गई। जिला परिवहन विभाग की कार्रवाई में वाहनों से करीब छह लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वहीं यातायात विभाग की ओर से करीब 50 हजार रुपये का फाइन वसूल किया गया।जिला प्रशासन ने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गया पहुंचने की संभावना है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वाहन जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने वाहन चालकों से वैध ड्राइविंग लाइसेंस और जरूरी कागजात साथ रखने, प्रदूषण प्रमाण-पत्र अद्यतन रखने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

गुरपा की रास्ते में धंसी सड़क बनीं मौत का जाल, पेड़ की टहनी के सहारे हादसे से बचने की जुगत

रात में दूर से नजर नहीं आता खतरा, पर्यटकों व ग्रामीणों की बढ़ीं परेशानी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : :पर्यटन स्थल गुरपा की ओर जाने वाली सड़क पर इन दिनों सफर करना खतरे से खाली नहीं है। गया-रजौली स्टेट हाईवे-70 से गोपीमोड़ होते हुए बृंदावन और गुरपा जाने वाले मार्ग पर बारिश के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है। सड़क के बीच बने गहरे गड्ढे से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थिति यह है कि प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों ने खुद पेड़ की टहनी लगाकर राहगीरों को खतरे का संकेत देने की कोशिश की है।गोपीमोड़ और बृंदावन के बीच सड़क के किनारे की मिट्टी लगातार बारिश के पानी के तेज बहाव में कटती चली गई। इससे सड़क का एक हिस्सा कमजोर होकर धंस गया और वहां बड़ा गड्ढा बन गया है। लगातार पानी गिरने के कारण गड्ढे के और फैलने की आशंका बनी हुई है। दोपहिया वाहनों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से खतरनाक है। रात में पर्याप्त रोशनी नहीं रहने के कारण बाहर से आने वाले वाहन चालकों को गड्ढा आसानी से दिखाई भी नहीं देता।यह मार्ग गुरपा पर्यटन स्थल तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है। प्रतिदिन स्थानीय ग्रामीणों के साथ पर्यटकों और छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में सड़क पर बना यह गड्ढा किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पहले से ही जर्जर है और बारिश ने समस्या को और गंभीर कर दिया है। कक्कू सिंह, डबलू यादव, कमलेश करण, संजय सिन्हा, राजेश मांझी सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की स्थिति का तत्काल जायजा लेकर गड्ढे की मरम्मत कराने की मांग की है।

सुल्तानगंज में श्रावणी मेला के सफल संचालन पर मालदा मंडल ने 22 रेलकर्मियों को किया सम्मानित

भागलपुर, (एजेंसी) : पवित्र श्रावण माह के दौरान सुल्तानगंज में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक रेल यात्रा सुनिश्चित करने वाले रेलकर्मियों को पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा बुधवार को सम्मानित किया गया है।

श्रावणी मेला 2026 के दौरान सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और रेल सेवाओं के सुचारू संचालन में उत्कृष्ट सेवा, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाले अग्रिम पंक्ति के 22 रेल कर्मचारियों को इस सम्मान के लिए चुना गया।इस उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मालदा में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह मालदा के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार मौर्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारी एवं अन्य रेल अधिकारी भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने सभी 22 रेल कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में वाणिज्यिक, परिचालन, सुरक्षा एवं जनसंपर्क विभागों के साथ-साथ चिकित्सा, यांत्रिक, विद्युत, इंजीनियरिंग तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मी शामिल थे। इन सभी ने मेला अवधि के दौरान अत्यधिक यात्री दबाव के बीच उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और जिम्मेदारी की भावना का परिचय दिया। इन सभी रेलकर्मियों के समन्वित प्रयासों से सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर प्रभावी भीड़ प्रबंधन, यात्रियों की त्वरित सहायता, श्रद्धालुओं की सुचारू आवाजाही तथा सुरक्षित यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकी।

बिहार में अररिया जिले के तरोना भोजपुर में वज्रपात के चपेट में आने से तीन की मौत,तीन घायल

अररिया (एजेंसी) : बिहार में अररिया जिले के तरोना भोजपुर पंचायत के औरैयाबाड़ी गांव में बुधवार शाम को वज्रपात के चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई।जबकि तीन अन्य वज्रपात के चपेट में आने से झुलसकर घायल हो गए।मृतकों में 50 वर्षीय शनिचरा भगत,48 वर्षीय वीरेन भगत और 30 वर्षीय कन्हैया भगत है। तीनों मृतक एक ही गांव के निवासी थे।

घटना की जानकारी देते हुए मृतक के परिजन गिरानंद भगत ने बताया कि बुधवार की शाम को अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के दौरान ही सभी लोग खेत में चर रहे अपने पशुओं को वापस लाने के लिए खेतों की ओर गए थे और पशुओं को लेकर वापस घर की ओर लौट ही रहे थे कि इसी बीच वज्रपात की चपेट में सभी छह लोग आ गए।

इनमें से तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए जबकि तीन अन्य आंशिक रूप से घायल हुए। गंभीर रूप से घायल तीनों को स्थानीय लोगों और परिजनों के सहयोग से अररिया सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं तीन आंशिक रूप से घायल लोगों का इलाज गांव में ही चल रहा है।

चिकित्सकों के द्वारा तीनों के मौत की जानकारी देने के बाद सदर अस्पताल में मृतकों के परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। परिवार वाले रो-रोकर अपना दुख व्यक्त कर रहे थे।वहीं गांव में इस दुखद घटना से मातम छा गया है।

मामले पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर टीम भेजी गई है। टीम घटना की जानकारी जुटा रही है। उन्होंने कहा कि आपदा विभाग की ओर से पीड़ित परिजनों को हर संभव मदद दी जाएगी।उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं आम है।ऐसे में खेतों में काम करने वाले किसानों और पशु चराने वाले लोग अक्सर इसकी चपेट में आ जाते हैं।ऐसी परिस्थिति में तेज बारिश और मेघ गर्जना के दौरान खुले मैदान में नहीं रहना चाहिए। पेड़ के नीचे या धातु की वस्तुओं के पास खड़े होने से भी खतरा बढ़ जाता है। इस घटना ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया है।वही ताराबाड़ी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि सभी लोग पशु लाने घर से बारिशक के दौरान घर से निकले थे। इसी दौरान वज्रपात के चपेट में छह लोग आ गए,जिनमें तीन की मौत हो गई है,जबकि अन्य तीन घायल खतरे से बाहर और घर पर ही उनका इलाज चल रहा है।

संपादकीय

जहरीली शराब से हो रही मौतों के लिए कौन जिम्मेदार?

जहरीली शराब से होने वाली मौतें देश में कोई नई घटना नहीं हैं। हर बार किसी गांव, कस्बे या शहर से जहरीली शराब पीने के बाद लोगों के बीमार पड़ने और मौतों की खबर आती है। कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है, जांच के आदेश होते हैं, कुछ पुलिसकर्मी और आबकारी अधिकारी निलंबित किए जाते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है और राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। फिर मामला धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला जाता है। सवाल यह है कि आखिर जहरीली शराब का यह सिलसिला कब रुकेगा और इसके लिए वास्तविक रूप से जिम्मेदार कौन होगा?शराबबंदी वाले राज्यों में अवैध शराब का कारोबार होना अपने आप में एक गंभीर चुनौती है। लेकिन जिन राज्यों में शराब की बिक्री सरकार की स्वीकृत व्यवस्था के तहत होती है, वहां जहरीली शराब से मौतें होना उससे भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। जब शराब की बिक्री से सरकार को राजस्व प्राप्त होता है, तब उसकी गुणवत्ता, आपूर्ति व्यवस्था और अवैध कारोबार पर नियंत्रण की जिम्मेदारी भी सरकार की ही होनी चाहिए। केवल किसी हादसे के बाद आबकारी विभाग या पुलिस के कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई कर देना पर्याप्त नहीं है।जहरीली शराब आखिर लोगों तक पहुंचती कैसे है? अवैध शराब बनाने वालों को कच्चा माल कहां से मिलता है? इसकी बिक्री का नेटवर्क किस तरह काम करता है? स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी प्रशासन को क्यों नहीं होती? और यदि जानकारी होती है तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं होती? इन सवालों के जवाब केवल छोटे स्तर के कारोबारियों पर कार्रवाई से नहीं मिल सकते।सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहरीली शराब से मरने वालों में बड़ी संख्या गरीब और मेहनतकश लोगों की होती है। दिनभर मजदूरी करने वाला व्यक्ति महंगी शराब खरीदने में सक्षम नहीं होता। जब वैध शराब लगातार महंगी होती जाती है, तब उसका सस्ता विकल्प अवैध और कच्ची शराब के रूप में सामने आता है। यही वह बिंदु है जहां शराब नीति, गरीबी, नशे की लत और अवैध कारोबार एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। एक समय देसी शराब गरीब तबके के लिए अपेक्षाकृत सस्ता विकल्प मानी जाती थी। समय के साथ शराब की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई और देसी तथा विदेशी शराब की कीमतों के बीच का अंतर भी कई जगह कम हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति अवैध और मिलावटी शराब की ओर जाने के लिए मजबूर हो सकता है।

महान लोगों को हमेशा ही सामान्य मन से हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है।
:अल्बर्ट आइंस्टीन

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है।
: वाल्मीकि

ब्रह्मांडीय ऊर्जा को पिण्डीय ऊर्जा से सम्बद्ध करता है भडली नवमी

भारतीय संस्कृति मूलतः काल-साधना की संस्कृति है। यहाँ समय केवल भौतिक गति का मापक नहीं, अपितु दैवीय चेतना का स्पन्दन है। अयन, मास, पक्ष और तिथि के सूक्ष्म विभाजनों के पीछे ऋषि-प्रज्ञा का वह विज्ञान निहित है, जो ब्रह्मांडीय ऊर्जा को पिण्डीय ऊर्जा से सम्बद्ध करता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि, जिसे सनातन परम्परा में 'भडली नवमी', 'भडल्या नवमी' अथवा 'कन्दर्प नवमी' के नाम से अभिहित किया गया है, इसी काल-विज्ञान का एक अनूठा और परम कल्याणकारी सोपान है। यह तिथि केवल पञ्चाङ्ग का एक अङ्क मात्र नहीं है, अपितु यह शुभाशुभ विमर्श, विवाह आदि मांगलिक कृत्यों की निर्बाध सम्पन्नता और लोक-विश्वास की पराकाष्ठा का प्रदीप्त दस्तावेज है।

अशोक प्रवृद्ध की शाश्वत सत्य अन्वेषण शैली में यदि इस तिथि का विश्लेषण किया जाए, तो हमें लोक-परम्परा के आवरण के भीतर छिपे शास्त्रीय सत्य, ज्योतिषीय गणित और पौराणिक आख्यानों के त्रिवेणी-संगम का साक्षात्कार होता है। वर्तमान युग की तार्किकता और वैज्ञानिक कसौटी पर भडली नवमी के महत्त्व को रेखांकित करने के लिए हमें श्रुति, स्मृति, पुराण और संहिता ग्रन्थों के गहन अरण्य में प्रवेश करना होगा, ताकि इस लुप्तप्राय होती काल-चेतना की प्रामाणिक मीमांसा की जा सके।

१. व्युत्पत्ति, शाब्दिक विमर्श एवं ग्रन्थाधार

'भडली' शब्द की व्युत्पत्ति और उसके शास्त्रीय उद्गम को समझे बिना इस तिथि के महत्त्व का सांगोपाङ्ग विश्लेषण असम्भव है। संस्कृत वाङ्मय में इस तिथि को मुख्यतः 'कन्दर्प नवमी' अथवा 'आषाढ़ शुक्ल नवमी' कहा गया है। लोक-भाषा में प्रयुक्त 'भडली' या 'भडल्या' शब्द का सम्बन्ध प्रकाण्ड ज्योतिर्विद और शकुन-शास्त्री भड्डरी (भडली) से जोड़ा जाता है, जिनकी लोक-सूक्तियाँ और काल-गणना आज भी भारतीय ग्रामीण समाज में अचूक मानी जाती हैं।

क) पुराणों में सन्दर्भः भविष्य पुराण और नारद पुराण

भविष्य पुराण के उत्तर पर्व में तिथियों के माहात्म्य के अन्तर्गत आषाढ़ मास की इस नवमी का विशिष्ट उल्लेख मिलता है। ग्रन्थ के अनुसारः

₹आषाढ़े शुक्लपक्खे तु नवमी या तिथिर्भवेत।
सा सर्वकामदा ज्ञेया कन्दर्पख्या मनीषिभिः॥₹

अर्थात आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की जो नवमी तिथि है, वह समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाली है और मनीषियों ने इसे 'कन्दर्प नवमी' कहा है। कन्दर्प (कामदेव) के नाम से सम्बद्ध होने के कारण यह तिथि दाम्पत्य सूत्र, प्रेम, सन्तति-सृजन और सांसारिक अभ्युदय के समस्त कार्यों के लिए स्वतःसिद्ध मानी गई है।

नारद पुराण के पूर्वभाग के अन्तर्गत तिथि-कृत्य निरूपण में भी आषाढ़ शुक्ल नवमी की महिमा गाई गई है। वहाँ इसे 'विष्णु-तेज' से अनुप्राणित तिथि माना गया है, क्योंकि इसके ठीक दो दिन पश्चात भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में लीन हो जाते हैं। देवशयन से पूर्व की यह अन्तिम सर्वसिद्ध तिथि है, जो मानवीय आकाङ्क्षाओं को ईश्वरीय आशीर्वाद से जोड़ती है।

ख) ज्योतिष ग्रन्थों में अवधारणाः महर्षि वराहमिहिर की वृहत्संहिता

यद्यपि प्रत्यक्ष रूप से 'भडली नवमी' नाम आधुनिक पञ्चाङ्गों में अधिक दृश्यमान होता है, किन्तु इसके पीछे का ज्योतिषीय सिद्धान्त महर्षि वराहमिहिर कृत 'वृहत्संहिता' और लल्ल रचित 'रत्नकोश' के 'अबूझ मुहूर्त' (अनसूचक काल) सिद्धान्त से पूर्णतः मेल खाता है। ज्योतिष शास्त्र में कुछ तिथियों को 'स्वयंसिद्ध' या 'साढ़े तीन मुहूर्त' के अन्तर्गत स्थान दिया गया है, जिनमें बिना किसी पञ्चाङ्ग शुद्धि के भी शुभ कार्य किए जा सकते हैं। आषाढ़ शुक्ल नवमी इसी श्रेणी की एक प्रमुख तिथि है।

२. ज्योतिषीय काल-गणनाः 'अबूझ मुहूर्त' का वैज्ञानिक रहस्य

सनातन ज्योतिष शास्त्र में किसी भी मांगलिक कार्य के लिए पञ्चाङ्ग के पाँच अङ्गों–तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण की शुद्धि अनिवार्य मानी गई है। इसके साथ ही गुरु और शुक्र के तारे का उदित होना (तारा शुद्धि) तथा सूर्य-चन्द्रमा का अनुकूल होना भी आवश्यक है। परन्तु भडली नवमी को 'अबूझ मुहूर्त' या 'अणभूल मुहूर्त' क्यों माना गया? इसके पीछे एक गहरा खगोलीय और ऋतु-परिवर्तन जन्य विज्ञान कार्य करता है।

क) अयन-परिवर्तन और सूर्य की स्थिति

आषाढ़ मास वैदिक काल-गणना के अनुसार 'शुचि' मास कहलाता है। यह ग्रीष्म ऋतु का अन्त और वर्षा ऋतु का सन्धिकाल है। इस समय सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायण की ओर अग्रसर होता है। कर्क संक्रान्ति के समीप होने के कारण सूर्य की रश्मियाँ पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध पर विशिष्ट प्रभाव डालती हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से, देवशयन एकादशी से पूर्व सूर्य और चन्द्रमा का यह संचरण काल एक ऐसी ऊर्जा-तर का निर्माण करता है, जिसमें ब्रह्मांडीय मङ्गलकारी तत्त्व स्वतः सक्रिय हो जाते हैं।

ख) त्रिपुष्कर और स्वतःसिद्ध योगों की संगति

भडली नवमी के दिन ऋतु चक्र की ऐसी सन्धि होती है जहाँ वेध (नक्षत्र वेध, तिथि वेध आदि) का कुप्रभाव न्यूनतम हो जाता है। वशिष्ठ संहिता में वर्णित है कि जब काल-पुरुष की कुण्डली में सूर्य मिथुन या कर्क राशि में स्थित होकर आषाढ़ के उत्तराद्धं में पहुँचता है, तब पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति में एक सकारात्मक स्थिरता आती है। इसी स्थिरता के कारण इस तिथि को किसी भी बाह्य कुण्डली दोष या मुहूर्त दोष से मुक्त माना गया है। यदि इस दिन हस्त, चित्रा, स्वाति या विशाखा नक्षत्र का संयोग बन जाए, तो यह 'अमृत सिद्धि योग' से भी श्रेष्ठ फल प्रदाता बन जाती है।

३. पौराणिक आख्यान, देव-चेतना और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि

भडली नवमी के महात्म्य को केवल ज्योतिष के गणित से नहीं, अपितु पुराणों के आध्यात्मिक आख्यानों के आलोक में भी समझा जा सकता है। यह तिथि ईश्वरीय चेतना के विश्राम और लोक-कल्याण के मध्य की एक दिव्य कड़ी है।

क) भगवान विष्णु की योगनिद्रा की पूर्वपीठिका

सनातन मान्यता के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार मासों के लिए राजा बलि के पाताल लोक में विश्राम करने चले जाते हैं, जिसे 'चातुर्मास' कहा जाता है। इन चार मासों में सृष्टि के संचालन का दायित्व एक भिन्न ऊर्जा व्यवस्था के हाथ में होता है, जिससे भौतिक संसार के स्थूल मांगलिक कार्य (जैसे विवाह, यज्ञोपवीत, गृहप्रवेश आदि) वर्जित हो जाते हैं।

भडली नवमी इसी देवशयन काल से ठीक दो दिन पूर्व आती है। यह देवताओं की जाग्रत अवस्था का चरमोत्कर्ष काल है। ग्रन्थों में उल्लेख है कि इस दिन भगवान नारायण अपनी योगनिद्रा में जाने से पूर्व सम्पूर्ण चराचर जगत को सुख, समृद्धि और सौभाग्य का अन्तिम आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसलिए, इस तिथि पर किया गया कोई भी सङ्कल्प निष्फल नहीं होता।

ख) शिव-पार्वती और कार्तिकेय का प्रसंग

मत्स्य पुराण के एक प्रसंग के अनुसार, तारकासुर के वध हेतु जब देवताओं ने भगवान शिव और माता पार्वती से कार्तिकेय के जन्म की प्रार्थना की, तब काल की इसी विशिष्ट नवमी को कार्तिकेय के सेनापति पद पर अभिषिक्त होने की प्रक्रिया का सूत्रपात हुआ था। इसी कारण इस तिथि को शौर्य, विजय और स्थायित्व की तिथि भी माना जाता है।

४. सामाजिक एवं लोक-सांस्कृतिक आयामः परम्परा और सत्य का अन्वेषण

अशोक ₹प्रवृद्ध₹ की अन्वेषणात्मक शैली की यह विशेषता है कि वह लोक-परम्पराओं को अंधविश्वास न मानकर उनके भीतर छिपे सामाजिक सत्य को उद्घाटित करती है। भडली नवमी का लोक-जीवन में असाधारण महत्त्व है, विशेषकर भारत के पश्चिमी और मध्य भागों (राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा) में।

क) विवाह विच्छेद और सामाजिक सुदृढ़ता का समाधान

प्राचीन काल में, और आज भी, कई बार विषम परिस्थितियों (जैसे वर-कन्या की आयु, अकाल, युद्ध, या गुरु-शुक्र का अस्त होना) के कारण परिवारों को विवाह के लिए उपयुक्त मुहूर्त नहीं मिल पाते थे। यदि विवाह समय पर न हो, तो सामाजिक संरचना प्रभावित होती थी। ऋषियों ने भडली नवमी के रूप में समाज को एक 'सुरक्षा कपाट' (प्रदान किया। जिस वर-वधू के गुण-मिलान में कोई तकनीकी दोष हो, या जिनके विवाह के मुहूर्त पूरे वर्ष न निकल रहे हों, उनका विवाह इस दिन निर्बाध रूप से सम्पन्न कराया जाता है। यह शास्त्रीय उदारता का अनुपम उदाहरण है जो समाज को संकीर्णता से बचाता है।

ख) कृषि संस्कृति और भड्डरी की सूक्तियाँ

लोक-संस्कृति में भडली का सम्बन्ध वर्षा के पूर्वानुमान से भी है। कवि भड्डरी की प्रसिद्ध उक्तियाँ आज भी ग्रामीण अञ्चलों में गूँजती हैं। आषाढ़ मास की नवमी को आकाश में बादलों की स्थिति, वायु की दिशा और बिजली की चमक को देखकर आने वाले वर्ष के अकाल या सुकाल का अनुमान लगाया जाता था।

₹आसाढ़ सुदी नौमी दिवस, बादर चमके बीजु।
भड्डर कहै सुन भड्डरी, राखो बैल अरु बीजु॥₹

यह सूक्ति स्पष्ट करती है कि यदि आषाढ़ शुक्ल नवमी के दिन आकाश में बादल हों और बिजली चमके, तो वह वर्ष उत्तम वर्षा का संकेत देता है, कृषकों को अपने बैल और बीज तैयार कर लेने चाहिए। इस प्रकार यह तिथि केवल विवाह की तिथि नहीं, बल्कि देश की कृषि-अर्थव्यवस्था की रीढ़ से जुड़ी हुई काल-गणना है।

५. 'कन्दर्प नवमी' और कामदेव-तत्त्वः काम से राम की ओर

इस तिथि का एक अन्य शास्त्रीय नाम 'कन्दर्प नवमी' है, जो इसके कामशास्त्रीय और जैविक महत्त्व को प्रकट करता है। कामदेव को सनातन परम्परा में केवल वासना का प्रतीक नहीं, बल्कि 'सृष्टि-सातत्य' का अधिष्ठाता देव माना गया है।

क) जैविक ऊर्जा और गभार्धान संस्कार

अथर्ववेद के काम-सूक्त में काम को प्रथम उत्पन्न तत्त्व माना गया है जो सम्पूर्ण सृष्टि को गति देता है। कन्दर्प नवमी के दिन काम-तत्त्व अपनी सात्त्विक और रचनात्मक अवस्था में होता है। इस तिथि पर दाम्पत्य जीवन का प्रारम्भ करना केवल दो शरीरों का मिलन नहीं, बल्कि उत्तम, संस्कारी और ओजस्वी सन्तति के आह्वान की पृष्ठभूमि तैयार करना है। हमारे प्राचीन आचार्यों ने प्रकृति के इस जैविक उभार को समझा और इसे एक पवित्र मुहूर्त का रूप दिया, ताकि इस समय होने वाले गभार्धान या विवाह संस्कार से समाज को श्रेष्ठ नागरिक प्राप्त हो सकें।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7629

★★★✯✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7628 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

दैनिक पंचांग

10 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.19 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.29 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.44 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	13.00 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.05 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.52 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.24 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.55 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.35 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मिथुन	23.33 बजे से
		कर्क	01.47 बजे से
		सिंह	04.03 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 253 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 14.05 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 19.18 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 10.34 बजे तदनन्तर चतुष्पद 21.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 01'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872828
जूलियन दिन 2461293.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 27
विशेष पिठोरी अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हम इतने सभ्य हैं कि जहर भी बाँटकर देते हैं

हमारे देश में परोपकार की भावना बड़ी प्रबल है। आदमी अपने लिए समय न निकाले, पर दूसरों को धुआँ देने का समय जरूर निकाल लेता है। सिगरेट पीने वाला केवल खुद धुआँ नहीं पीता, आसपास के लोगों को भी मुफ्त में पिला देता है। खर्च एक का, जहर सबका–यही पैसिव स्मोकिंग है। लैंसेट पब्लिक हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में 3 लाख 25 हजार 600 लोगों की मौत इसी ह्यमुफ्त सेवाह्न से हुई, जबकि 1990 में यह संख्या 2 लाख 17 हजार 700 थी। तीस वर्षों में मौतों में करीब पचास प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। बेरोजगारी और महँगाई से जूझते देश में मौत का यह कारोबार भी बेखटके चल रहा है–न दुकान चाहिए, न लाइसेंस।

धुआँ बड़ा लोकतांत्रिक है–उसे अमीर-गरीब, अपना-पराया कुछ नहीं दिखता। बस साँस लेता इंसान चाहिए। वह दरवाजा नहीं खटखटाता, सीधे फेफड़ों में उतर जाता है। हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी, अस्थमा, टाइप-2 डायबिटीज और स्तन कैंसर तक इससे जुड़े हैं। भारत में करीब 44 करोड़ 40 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। चीन के बाद दुनिया में दूसरा स्थान हमारा है। महिलाओं पर असर अधिक है, क्योंकि वे घर में ज्यादा समय बिताती हैं। 2023 में पैसिव स्मोकिंग से 1 लाख 56 हजार 900 महिलाओं और 1 लाख 68 हजार 700 पुरुषों की मौत हुई। धुआँ बराबरी करता है–साँस सबकी जाती है, धुआँ कोई और छोड़ता है।

बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं और उसी भविष्य के सामने सिगरेट जला देते हैं। उनके फेफड़े अभी बन रहे होते हैं, मगर धुआँ तभी से अपना असर दिखाने लगता है। निचले श्वसन संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ता है। गर्भवती महिला के आसपास का धुआँ गर्भस्थ बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार पैसिव स्मोकिंग से हृदय संबंधी मौत का खतरा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। फिर भी घर में इसे बीमारी नहीं, ह्यमाहौलह्न कहा जाता है। चाहे बच्चे खाँसें, आँखें जलें, साँस लेने में तकलीफ हो–माहौल खराब नहीं होना चाहिए। सिगरेट बुझ जाए तो ठीक, परिवार की समझ बुझ जाए तो कोई बात नहीं।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के कानून मौजूद हैं। बोर्ड लगे हैं, चेतावनियाँ लिखी हैं, नियम भी बने हैं–बस पालन करने वाला आदमी नहीं मिलता। रेस्तराँ के कोने में धुआँ उठता है, दफ्तर के गलियारे में सिगरेट जलती है, बस स्टैंड पर धुआँ फैलता है और कानून दीवार पर टँगा सब देखता रहता है। कभी-कभी पुलिसकर्मी भी सिगरेट पीते दिख जाते हैं। उनसे पूछिए कि धूम्रपान कैसे रोकेंगे, तो शायद कहें–पहले अपनी सिगरेट खत्म कर लेने दीजिए। कानून बनाना आसान है, लागू करना कठिन। इस धुएँ ने भारत के 9.28 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष छीन लिए। मगर फाइल में यह नुकसान बड़ा सभ्य दिखाई देता है।

घर में धूम्रपान की अपनी सरकार होती है। पिता जी सिगरेट पी रहे हैं, बच्चा पास में पढ़ रहा है और माँ रसोई में खाना बना रही है। धीरे-धीरे घर में हवा कम, धुआँ ज्यादा हो जाता है। फिर भी इसे ह्यघर का मामलाह्न कह दिया जाता है। अपना धुआँ दूसरों का भी अपना मान लिया जाता है। बच्चा कहे कि धुआँ परेशान करता है, तो उसे बड़ों की इज्जत करना सिखाया जाता है–मानो इज्जत का मतलब धुएँ में चुपचाप साँस लेना हो। सिगरेट पीने वाले की आजादी बचाने के लिए परिवार की साँस की आजादी कुर्बान कर दी जाती है। यह घरेलू लोकतंत्र है–वोट सबका, फैसला एक का।अस्पताल में यह विडंबना और भयावह हो जाती है। मरीज कहता है–ह्यडॉक्टर साहब, मैंने जिंदगी में सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाया।ह्न डॉक्टर रिपोर्ट देखते हैं और शरीर पर धूम्रपान के असर पाते हैं। मृत्यु प्रमाण-पत्र में हृदयाघात या कोई दूसरी बीमारी लिखी जाती है, पर कहानी में वह धुआँ भी मौजूद होता है, जिसे मृत व्यक्ति ने कभी जलाया ही नहीं था। दुनिया भर में करीब 2.71 अरब लोग पैसिव स्मोकिंग की चपेट में हैं और 2023 में करीब 16.6 लाख (1.66 मिलियन) मौतें इससे जुड़ी थीं। भारत इस समस्या में पीछे नहीं है। यहाँ आँकड़े भी तेजी से बढ़ते हैं। फर्क बस इतना है–आँकड़े नहीं मरते, आदमी मरता है।

धुएँ का हिसाब अस्पताल में ही नहीं खुलता। बीमारी आई तो दवा, अस्पताल का बिल, काम से छुट्टी और परिवार की आय में कमी–सब साथ आते हैं। सरकार स्वास्थ्य बजट बढ़ाती है, पर धुएँ से होने वाले आर्थिक नुकसान का पूरा हिसाब सामने नहीं आता। यह उस चोर जैसा है जो रोज घर से कुछ चुराता है और घरवाला हर बार नया सामान खरीदता है, चोर को नहीं रोकता। धुआँ भी रोज स्वास्थ्य चुराता है–पहले साँस, फिर ताकत, फिर काम करने की क्षमता और कभी-कभी जीवन। हम इलाज पर खर्च करते हैं, पर बीमारी की जड़ रोकने पर उतने गंभीर नहीं। मानो आग बुझाने का बजट बढ़ाना जरूरी हो, आग लगने से रोकना नहीं।

पैसिव स्मोकिंग केवल धूम्रपान करने वाले की आदत नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी का सवाल है। साफ हवा हर इंसान का अधिकार है, मगर हमने उसे भी किसी की निजी मेहरबानी समझ लिया है। एक आदमी सिगरेट जलाता है और कई लोग उसकी कीमत अपनी सेहत से चुकाते हैं। घर में बच्चा, बाहर राहगीर, दफ्तर में सहकर्मी–किसी ने धुआँ माँगा नहीं, फिर भी सबके हिस्से में आ जाता है। सिगरेट जलाने वाला शायद इसे अपना अधिकार समझे, लेकिन दूसरे की साँस पर अधिकार किसने दिया? आखिर कब तक किसी की आदत के धुएँ में किसी और का जीवन घुटता रहेगा? सवाल सिगरेट का नहीं, उस संवेदना का है जो हमें यह समझाए कि किसी की साँस पर किसी दूसरे का अधिकार नहीं हो सकता।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

योगी-अखिलेश की सियासत में जमीन से सोशल मीडिया तक संग्राम

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच की चुनावी तनातनी अब केवल राजनैतिक रैलियों या सदन के पटल तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह संघर्ष एक बेहद आक्रामक और वर्चुअल जंग का रूप ले चुका है। जैसे-जैसे आगामी विधानसभा चुनावों का समय नजदीक आ रहा है, दोनों दलों के बीच राजनीतिक और वैचारिक द्वंद के तौर-तरीके भी पूरी तरह बदल चुके हैं। अब मंच के भाषणों से ज्यादा एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड होने वाले तीखे वीडियो, मीम्स, एआई जनरेटेड कंटेंट और ताबड़तोड़ बयानों ने मुख्य राजनीतिक युद्धभूमि का स्थान ले लिया है। इस वर्चुअल रणक्षेत्र में दोनों नेता एक-दूसरे की नीतियों, व्यक्तिगत छवि और राजनीतिक अतीत को कटघरे में खड़ा करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और सोशल मीडिया ट्रेंड्स का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

ताजा मामला आज का है, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सहारनपुर दौरे के दौरान उनके हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति न मिलने पर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर गरमा गया। समाजवादी पार्टी ने इस घटना को सत्ताधारी दल की गहरी राजनीतिक बौखलाहट और तानाशाही रवैये का प्रतीक करार दिया है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि बढ़ते जनाधार से घबराई भारतीय जनता पार्टी सरकार जानबूझकर विपक्षी दलों के कार्यक्रमों में प्रशासनिक अड़ंगे लगा रही है, ताकि लोकतंत्र की आवाज को दबाया जा सके। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक अधिकारियों ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि हेलीकॉप्टर की लैंडिंग की अनुमति सुरक्षा और ऐनवक्त पर तय किए गए सुरक्षा मानकों के अनुपालन न होने के कारण नहीं दी गई थी। सत्तारूढ़ दल का कहना है कि विपक्ष हर प्रशासनिक प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देकर सनसनी फैलाने की कोशिश करता है और कानून के नियमों से ऊपर उठकर काम करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर से राज्य में सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल के बीच की राजनीतिक रस्साकशी को और अधिक तीखा बना दिया है, जहां हर छोटी घटना पर दोनों दल एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में इस हाई-टेक टकराव का सबसे बड़ा और प्रमुख आधार धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे बने हुए हैं, जिनमें विशेष रूप से अयोध्या और राम मंदिर से जुड़े विषय शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से मंदिर निर्माण में दान और चढ़ावे में हेराफेरी जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों को उठाकर सीधे तौर पर सरकार की पारदर्शिता को कटघरे में खड़ा किया है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा खेमे ने भी सोशल मीडिया पर आक्रामक रुख अपनाते हुए विपक्ष पर सनातन आस्था को ठेस पहुंचाने और धार्मिक स्थलों की गरिमा को धूमिल करने के षड्यंत्र रचने का करारा आरोप लगाया है। इस वैचारिक और डिजिटल रस्साकशी के दौरान कई बार मामला तब और अधिक बिगड़ जाता है, जब दोनों तरफ से एआई-जनरेटेड वीडियो या डिजिटल कैरिकेचर का इस्तेमाल करके एक-दूसरे के शीर्ष नेतृत्व को सीधे तौर पर निशाना बनाया जाता है। इस तरह के विजुअल और ऑडियो टूल्स के जरिए जब तीखे व्यंग्य और आरोप प्रसारित किए जाते हैं, तो इंटरनेट पर दोनों दलों के समर्थकों के बीच एक वर्चुअल युद्ध छिड़ जाता है, जो कई बार राजनीतिक मयार्दाओं की सीमा को भी लांघने लगता है।

डिजिटल जंग का दूसरा सबसे बड़ा और धारदार आधार कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यशैली और व्यक्तिगत आक्षेप हैं, जिन्हें दोनों नेता अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए मुख्य हथियार बना रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी हर सभा और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सपा के पुराने शासनकाल को गुंडाराज, माफिया राज और तुष्टीकरण की पराकाष्ठा के रूप में चित्रित करते हैं, वहीं वे समाजवादी पार्टी को परिवार का सिंडिकेट करार देते हुए यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि इस पार्टी की पूरी धुरी केवल एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। इसके विपरीत, अखिलेश यादव सोशल मीडिया पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा सरकार पर तानाशाही, बेरोजगारी, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ और भेदभावपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाई के गंभीर आरोप मढ़ते हैं। अखिलेश यादव अक्सर मुख्यमंत्री के दौरों, उनके भाषणों के तेवर और प्रशासनिक कदमों पर सवाल उठाते हुए तीखे व्यंग्य भरे पोस्ट करते हैं, जिनका सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता और खुद मुख्यमंत्री आंकड़ों और तीखे बयानों के साथ पलटवार करते हैं।

यह डिजिटल और सियासी द्वंद्व इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आने वाले चुनावों में जीत-हार का फैसला केवल रैलियों से नहीं, बल्कि जनमानस की सोच को सोशल मीडिया के जरिए प्रभावित करने की क्षमता से भी तय होगा। जब भी सत्ता पक्ष की ओर से कोई विकास परियोजना का उद्घाटन किया जाता है या कोई बड़ा नीतिगत निर्णय लिया जाता है, तो विपक्ष फौरन डिजिटल प्लेटफार्म्स पर उसके दूसरे पहलुओं को उजागर कर देता है, और इसके उलट विपक्ष के हर हमले का जवाब देने के लिए सत्ताधारी दल का आईटी सेल और वरिष्ठ नेता पूरी मुस्तैदी से मैदान में डटे रहते हैं। इस वर्चुअल संघर्ष ने न केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को बेहद व्यक्तिगत और आक्रामक बना दिया है, बल्कि आम जनता और खासतौर पर युवा वर्ग के स्मार्टफोन की स्क्रीन पर हर पल राजनीतिक सरगर्मी को जिंदा रखा है। दोनों ही नेता जनता के बीच यह संदेश देने की होड़ में हैं कि कौन उत्तर प्रदेश के असल मुद्दों का सच्चा हितैषी है और कौन केवल डिजिटल प्रोपेगैंडा में व्यस्त है, जिसके चलते यह चुनावी जंग अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां हर एक ट्वीट, हर एक वीडियो और हर एक बयान का राजनीतिक नफा-नुकसान बहुत दूर तक असर डालता है।

अजय कुमार

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

मकबरे में मिली 16 ममी और ममीफाइड कुत्ते, जल्द होगा नया खुलासा

काहिरा। मिस्र के थेबन मकबरा 209 यानी टीटी 209 का एक छोटा कक्ष पुरातत्वविदों के लिए रहस्य का केंद्र बन गया है। यहां के लक्सर शहर में नील नदी के पश्चिमी किनारे स्थित इस मकबरे के एक चैंबर से 16 इंसानी ममी, एक ममीफाइड कुत्ता और आग में जली हुई हड्डियों के ढेर मिले हैं। नई मैपिंग रिसर्च ने इसके पीछे करीब 300 साल तक चली व्यवस्थित दफन प्रक्रिया का संकेत दिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ला लागुना और लीडेन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने मकबरे में मिले अवशेषों का अध्ययन किया। अनुसंधान टीम के प्रमुख जारेड कार्बालो-पेरेज के अनुसार, 25वें राजवंश से लेकर फारसी काल तक इस मकबरे का इस्तेमाल धार्मिक परंपराओं के अनुरूप किया जाता रहा। यह मकबरा लक्सर के दक्षिण असासिफ क्षेत्र की पहाड़ियों में बनाया गया था। इसका मूल मालिक निसेमरो नामक नूबियाई मूल का उच्च पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी था। सबसे पुरानी कब्रें 25वें राजवंश यानी करीब 754 से 656 ईसा पूर्व की बताई गई हैं। उस दौर में प्रतिष्ठित लोगों को लकड़ी के नक्काशीदार ताबूतों में पर्याप्त जगह छोड़कर दफनाया जाता था। बाद में जब कक्ष में जगह कम पड़ने लगी तो नए शवों को पहले से रखे ताबूतों के ऊपर रखना शुरू कर दिया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, चैंबर में मिली करीब दो-तिहाई ममी इसी तरह एक-दूसरे के ऊपर रखी हुई थीं। समय के साथ लकड़ी के ताबूतों का इस्तेमाल बंद हो गया, लेकिन ममी बनाने की परंपरा जारी रही। शवों की मुद्रा में भी बदलाव दिखाई दिया। शुरुआती ममी के हाथ कमर या पैरों के पास रखे गए थे, जबकि बाद की कई ममी में हाथ सीने पर क्रॉस करके रखे गए थे। इसे ओसिरिस मुद्रा माना जाता है, जो उस समय की बदलती धार्मिक मान्यताओं और अंतिम संस्कार की परंपराओं की ओर संकेत करती है। मकबरे की सबसे अनोखी खोज में एक महिला और पुरुष की ममी के पैरों के पास रखा ममीफाइड कुत्ता शामिल है। प्रोफेसर मिगुएल एंजेल मोलिनेरो पोलो के अनुसार, यह कुत्ता संभवतः परलोक की यात्रा में रक्षक या मार्गदर्शक की भूमिका का प्रतीक रहा होगा। इसके अलावा मकबरे में आग और बाढ़ के निशान भी मिले हैं। करीब 1,775 जली हुई हड्डियों के टुकड़ों से संकेत मिला कि आग के दौरान तापमान लगभग 550 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा होगा। वैज्ञानिक अब इन अवशेषों के जैव-पुरातात्विक अध्ययन के जरिए प्राचीन लोगों के स्वास्थ्य, खान-पान और जीवनशैली से जुड़े रहस्यों को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

वसीम अकरम ने इमरान खान की सेहत पर चिंता जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जेल में बंद टीम के अपने साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के बहुत कम दिग्गज क्रिकेटरों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान 2022 से जेल में हैं। वह हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

पूर्व कप्तान अकरम ने एक बयान में कहा कि मैंने तीन साल से उनसे बात नहीं की है। उनके साथ राजनीतिक तौर पर जो हो रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत अपना काम करती है लेकिन जहां तक उनकी सेहत का सवाल है वहां कोई समझौता नहीं हो सकता। पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे। इससे पहले करीब 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिखकर इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने और मानवीय व्यवहार करने की मांग की थी। अकरम ने कहा कि इंग्लैंड और अन्य जगहों पर इमरान की स्थिति बेहतर करने के लिए एक मुहिम चल रही है, लेकिन यहां पाकिस्तान में ऐसा हो रहा है या नहीं, मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिल से बात कर रहा हूं, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। वह दोषी हैं या नहीं, जेल में हैं या नहीं इन सब से अलग हमें उनकी सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। हमें नहीं पता कि वास्तव में क्या हो रहा है। सरकार कह रही है कि उनकी सेहत ठीक है, लेकिन मैं चिंतित हूं। मुझे उनकी बहुत याद आती है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों में इमरान के लंबे समय तक साथी रहे जावेद मियांदाद ने भी हाल में क्रिकेट जगत के इस दिग्गज नेता की सेहत को लेकर चिंता जताई थी।

तेलंगाना विधानसभा से बीआरएस के 22 विधायक मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने बुधवार को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 22 विधायकों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। निलंबित विधायकों में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव भी शामिल हैं। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही वेल में मौजूद बीआरएस सदस्यों ने 'हमें न्याय चाहिए' जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए।

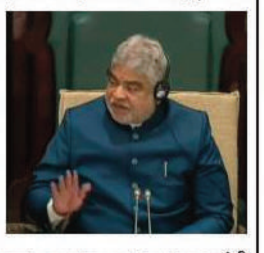

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने स्थगन प्रस्ताव देकर दो दिन पहले पार्टी की महिला विधायकों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के निधन की कामना करने संबंधी सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ सदस्यों की कथित टिप्पणियों पर चर्चा की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, उप मुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू की बार-बार की गई अपीलों के बावजूद बीआरएस सदस्यों ने अपनी सीटों पर लौटने से इनकार कर दिया। विक्रमार्क ने कहा कि उन्होंने और अन्य कांग्रेस नेताओं ने चंद्रशेखर राव के स्वस्थ और लंबे जीवन की कामना की थी। केटीआर के अलावा निलंबित विधायकों में अनिल जाधव, टी हरीश राव, जी जगदीश रेड्डी, गंगुला कमलाकर, कौशिक रेड्डी, माधवरम कृष्ण राव, कोवा लक्ष्मी, के माणिक राव, चिंता प्रभाकर, कोठा प्रभाकर रेड्डी, वेमुला प्रशांत रेड्डी, मारी राजशेखर रेड्डी, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, पी सबिता इंदिरा रेड्डी, कल्वाकुंतला संजय, टी श्रीनिवास यादव, डी सुधीर रेड्डी, वी सुनीता लक्ष्मी रेड्डी, कलेरू वेंकटेश, विजेयुडू और केपी विवेकानंद शामिल हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, दूध लेकर घर लौटते समय हुआ हादसा

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के थाना कस्बा जलालाबाद में बुधवार सुबह दूध लेकर घर लौट रहे एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा रेलवे ट्रैक पर खंभा संख्या 1498/18 के पास हुआ। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय मो. आमिर निवासी राहुखेड़ी कोरा राजारामपुर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आमिर सुबह करीब सात बजे राहुखेड़ी से दूध लेकर अपने घर लौट रहा था।

जलालाबाद रेलवे ट्रैक पार करते समय वह अचानक कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। परिजनों ने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। बताया गया कि आमिर अपने पिता के साथ ठेले पर पायदान बेचने का काम करता था। परिवार में उसके माता-पिता और एक छोटी बहन है। पिता की दूसरी पत्नी से दो और बेटे भी हैं। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। एसआई अनीस अहमद ने पंचनामा की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम समेत किसी अन्य कार्रवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद बिना पोस्टमार्टम के शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कांग्रेस ने 10 हजार करोड़ के घोटाले का लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) के जरिए 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कालाधन सफेद करने और बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी का आरोप लगाया है। पार्टी ने पूरे मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने और फर्जीवाड़े में शामिल सभी बोगस डोनर्स, राजनीतिक दलों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में 3,260 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल बनाकर इतिहास का सबसे बड़ा टैक्स घोटाला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कथित 'सी टीम' ने

मिलकर यह संगठित खेल खेला है, जिसके तहत 5 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले अरबपतियों के कालेधन को सफेद कराया गया।

गोहिल ने कहा कि 5 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय पर 30 प्रतिशत बेसिक टैक्स, 37 प्रतिशत सरचार्ज और 4 प्रतिशत सेस मिलाकर कुल 42.7 प्रतिशत से अधिक टैक्स बनता है। इस टैक्स से बचने के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून और आयकर कानून के प्रावधानों का दुरुपयोग किया गया। आयकर कानून की धारा 80जीजीसी

जेपीसी से जांच की मांग

(व्यक्तियों के लिए) और धारा 80जीजीबी (कंपनियों के लिए) के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे पर 100 प्रतिशत टैक्स छूट मिलती है। इसी छूट की आड़ में फर्जी राजनीतिक दलों को करोड़ों का चंदा दिया गया और 2 से 15 प्रतिशत तक कमीशन काटकर शेष रकम नकदी में वापस लौटा दी गई।

उन्होंने कहा कि इस तरह के गंभीर फर्जीवाड़े के लिए आयकर कानून में कड़े कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। आयकर कानून की धारा 270A(9) के तहत जानबूझकर झूठी एंट्री और टैक्स चोरी करने पर 200 प्रतिशत जुर्माना, धारा 276C(1) व धारा 277 के तहत आपराधिक मुकदमा और 7 साल तक के कारावास का स्पष्ट प्रावधान है। इसके बावजूद इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) द्वारा इस फर्जीवाड़े की पुष्टि किए जाने और मीडिया में खुलासे के बाद भी सरकार ने दोषियों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की।

गोहिल ने कहा कि चुनाव आयोग ने वर्ष 2014 में ही राजनीतिक दलों के चंदे और खर्च में पारदर्शिता को लेकर विस्तृत गाइडलाइंस जारी की थीं, जिसके तहत ऐसे दलों के पूरे लेनदेन का ब्योरा वेबसाइट पर सार्वजनिक होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सहित कई राज्यों में आयकर विभाग के अधिकारियों ने संलिप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फर्जी दलों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की सिफारिश की थी, लेकिन सत्ता के इशारे पर जांच को दबा दिया गया।

संटेक सिटी मामले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ईडी के सामने पेश हुए

मोहाली एसएसपी वरुण शर्मा भी 10 सितंबर को तलब किये गए

एजेंसी, जालंधर

मोहाली के संटेक सिटी प्रोजेक्ट में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा बुधवार को जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जोनल कार्यालय में पेश हुए। ईडी इस मामले की जांच मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से कर रही है। अनुराग वर्मा करीब 11:08 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। उनके हाथ में दस्तावेज की एक फाइल थी। उन्हें इससे पहले 31 अगस्त को पेश होने के लिए समन जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने उस दिन पेशी के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसके बाद उन्हें 7 सितंबर को पेश होने के लिए नए समन जारी किए गए, जिसे बाद में बुधवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया।

इसी मामले में आईएएस अधिकारी कंवल प्रीत बराड़ को भी ईडी ने दो बार समन जारी कर पूछताछ की थी। उन्हें 18 और 27 अगस्त को बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान संटेक सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट में चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) और लेआउट में किए गए बदलावों को मंजूरी दिए जाने से संबंधित जानकारी ली गई थी। ईडी की जांच में अधिकारियों की भूमिका और प्रोजेक्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की पड़ताल की जा रही है। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने किसी नियम का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी और न ही किसी बिल्डर को अनुचित लाभ पहुंचाया। इसी मामले में ईडी ने मोहाली के एसएसपी वरुण शर्मा को भी 10 सितंबर को जालंधर स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने के लिए समन जारी किया है। जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार जुलाई से अब तक एसएसपी को पांच बार ई-मेल भेजकर संटेक सिटी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में जानकारी मांगी गई थी। नए आपराधिक मामले दर्ज किए जाने से संबंधित जानकारी नहीं मिलने के कारण एसएसपी को अब व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए बुलाया गया है।

यूके वीजा धोखाधड़ी मामले में यूट्यूबर रामा नंदना ने आरोपों से किया इनकार

एजेंसी, हैदराबाद

यूके वीजा धोखाधड़ी मामले में हिरासत में ली गई तेलुगु यूट्यूबर रामा नंदना ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि वह लंदन स्थित 'डेस्टिनी कंसल्टेंसी' के संचालन में शामिल नहीं हैं। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को इब्राहिमपटनम पुलिस थाने में उनसे करीब चार घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान नंदना ने पुलिस को बताया कि कंसल्टेंसी का कामकाज उनके अकाउंटेंट पति जगर्लामुडी मधुकर संभालते हैं और वह इसके संचालन में शामिल नहीं हैं। पुलिस ने उनके जवाबों को असंतोषजनक बताते हुए उन्हें 16 सितंबर को दोबारा पूछताछ के लिए उपस्थित होने का समन जारी किया है।

नंदना को 7 सितंबर को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लुकआउट नोटिस के आधार पर रोका गया था। यह कार्रवाई लंदन निवासी मामिलापल्ली शिवक्रांति कुमार की शिकायत के बाद की गई।

♦ **पुलिस ने 16 सितंबर को फिर पूछताछ के लिए बुलाया**

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यूके वीजा विस्तार, रोजगार और सर्टिफिकेट ऑफ स्पॉन्सरशिप दिलाने के नाम पर उनसे 15 लाख रुपये लिए गए और बाद में उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। मामले में इब्राहिमपटनम पुलिस थाने में रामा नंदना, उनके पति जगर्लामुडी मधुकर और ससुर मोहन राव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में तीनों की भूमिका और कथित वीजा धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है।

शिप्रा आरती विवाद गहराया, देशभर के तीर्थ पुरोहित उज्जैन में जुटे, आंदोलन की दी चेतावनी

एजेंसी, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में रामघाट पर मां शिप्रा की पारंपरिक आरती की व्यवस्था को लेकर प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों के बीच चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को अयोध्या, नासिक, प्रयागराज, हरिद्वार, त्र्यंबकेश्वर, बैजनाथ धाम और कुरुक्षेत्र समेत देश के प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से आए पुरोहितों ने सुबह मां शिप्रा का पूजन-अभिषेक किया। इसके बाद अखिल भारतीय तीर्थ महासभा की कार्यकारिणी की बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी ने कहा कि यदि शिप्रा आरती की वर्षों पुरानी परंपरा से समझौता किया गया तो आंदोलन को उज्जैन से बाहर ले जाया जाएगा। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

तीर्थ पुरोहितों का आरोप है कि मां शिप्रा की पारंपरिक आरती को धार्मिक परंपरा के बजाय एक 'इवेंट' के तौर पर संचालित किया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया के जरिए आरती की व्यवस्था किए जाने पर भी उन्होंने आपत्ति जताई है।

पंडित अमर डिब्बेवाला समेत अन्य पुरोहितों का कहना है कि महाकाल मंदिर में विद्या अध्ययन कर रहे बटुकों से आरती कराना और उसे टेंडर व्यवस्था से जोड़ना पारंपरिक आरती के स्वरूप में बदलाव है। पुरोहितों का कहना है कि वे उज्जैन के विकास या बेहतर व्यवस्थाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सदियों पुरानी तीर्थ परंपराओं में प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्री क्षेत्र पंडा समिति के अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी के अनुसार, बुधवार शाम शगुन गार्डन में धर्मसभा आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर से पहुंचे तीर्थ पुरोहित और प्रतिनिधि शामिल होंगे। धर्मसभा में रामघाट पर शिप्रा आरती की मौजूदा व्यवस्था, महाकाल मंदिर समिति की भूमिका और पारंपरिक आरती में प्रशासनिक हस्तक्षेप के मुद्दे पर चर्चा होगी। पुरोहितों की मांगों पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को उज्जैन से बाहर ले जाने को लेकर भी निर्णय लिया जा सकता है।

धर्मसभा में शामिल होने के लिए प्रयागराज, मथुरा, अयोध्या, हरिद्वार, नासिक-त्र्यंबकेश्वर, बैजनाथ धाम और रामेश्वरम समेत कई प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से पुरोहित उज्जैन पहुंचे हैं। अखिल भारतीय तीर्थ महासभा के अध्यक्ष पंडित तिवारी के अलावा पंडित नवीन नगर, पंडित मधु चकाहा, पंडित अमित राज पुरोहित, पंडित अनुज मिश्रा, पंडित श्रीकांत वशिष्ठ, पंडित हेरंभ शिकरे, पंडित नुनु भाई मिश्रा, पंडित अरविंद मुरलीधर और पंडित नंदकुमार मिश्रा सहित कई पुरोहित धर्मसभा में शामिल होंगे।

शिप्रा आरती का विवाद मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ तक पहुंच चुका है। श्री क्षेत्र पंडा समिति, उज्जैन ने याचिका दायर कर पारंपरिक शिप्रा आरती में शासन-प्रशासन के हस्तक्षेप पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति पर पारंपरिक आरती में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

मोहन यादव के दुबई दौरे में मप्र को मिले 53000 करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश और विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा अहम साबित हुआ। छह से आठ सितंबर तक चले दौरे के दौरान प्रदेश को करीब 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। इस दौरान लॉजिस्टिक्स, टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग, फार्मा, शिक्षा और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों में वैश्विक कंपनियों के साथ निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं बनीं।

जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि यूएई के शीर्ष मंत्रियों, तातारस्तान के नेतृत्व, विश्व बैंक और डीपी वर्ल्ड, क्रिसेंट एंटरप्राइज, जेम्स एजुकेशन, शराफ ग्रुप, चोइथराम्स, राणा होल्डिंग्स, वीएफएस ग्लोबल और बीईईएएच जैसी कंपनियों के साथ हुई बैठकों में लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा, शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आधुनिक विनिर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं।

उन्होंने बताया कि दुबई ने मध्य प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने, विमानन संपर्क बढ़ाने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में उच्चस्तरीय निवेशक दल के साथ भागीदारी की दिशा में सहमति जताई। विश्व बैंक ने एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं में सहयोग में रुचि दिखाई। डीपी वर्ल्ड और शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, बीईईएएच के साथ कचरा प्रबंधन एवं वेस्ट-टू-एनर्जी, जीईएमएस के साथ शिक्षा और कौशल विकास तथा चोइथराम्स के साथ रिटेल और फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं ने दौरे को ठोस कारोबारी अवसरों से जोड़ा। शारजाह चैंबर के साथ बिजनेस फोरम और यूएई के साथ निवेश राउंडटेबल की पहल के साथ मध्य प्रदेश ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि अब लक्ष्य केवल पूंजी आकर्षित करना नहीं, बल्कि पूंजी, तकनीक, बाजार, रोजगार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मध्य प्रदेश से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश का न्योता दिया और सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। निवेश और कारोबार को आसान बनाने के लिए 25 से अधिक नयी नीतियां लागू की गई हैं और 2700 से अधिक अप्रासंगिक कानून समाप्त किए गए हैं।

पंजाबः गुलजार सिंह मौत मामले में सरपंच समेत 5 गिरफ्तार, एसआईटी करेगी जांच

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के संगरूर जिले के तुर बंजारा गांव में ड्रग्स को लेकर उठे विवाद के बाद गुलजार सिंह की मौत के मामले में दिर्बा थाना पुलिस ने सरपंच समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके सभी को गिरफ्तार कर लिया है। इनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, कथित उत्पीड़न और एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है।

पुलिस कार्रवाई के बाद अब जांच का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है, जिनके बाद 50 वर्षीय गुलजार सिंह ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ निगल लिया था। एफआईआर में पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को आरोपी नहीं बनाया गया है। यह मामला उस समय चर्चा में आया था, जब गांव में आयोजित एक विकास कार्यक्रम के दौरान गुलजार सिंह ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के सामने गांव में खुलेआम ड्रग्स बिकने का मुद्दा उठाया था। गुलजार ने कथित तौर पर बताया था कि गांव में 'चिट्टा' उपलब्ध है और उनका बेटा भी नशे का आदी है।

इसके बाद गुलजार के परिवार और कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत से जुड़े लोगों की ओर से उन पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का दबाव बनाया गया। परिवार का दावा था कि इस घटनाक्रम के बाद गुलजार काफी परेशान हो गए थे और बाद में उन्होंने जहरीला पदार्थ निगल लिया।

सरपंच पक्ष ने गुलजार पर किसी तरह का दबाव या धमकी देने के आरोपों को खारिज किया था। सरपंच के पति बलजीत सिंह ने कहा था कि मंत्री के सामने नशे का मुद्दा उठाने के बाद गुलजार से बातचीत की गई थी और कार्रवाई का भरोसा दिया गया था।

'वंदे मातरम्' पर गुजरात विधानसभा में बवालः राष्ट्रगीत के दौरान बैठे कांग्रेस विधायक, भाजपा ने मांगा जवाब

एजेंसी, गांधीनगर

गुजरात विधानसभा के तीन दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत में ही 'वंदे मातरम्' को लेकर विवाद खड़ा हो गया। राष्ट्रगीत के गायन के दौरान कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला के बैठे रहने पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। राज्य के मंत्री प्रवीण माली ने इसे राष्ट्रगीत का अपमान करार दिया। उन्होंने कहा कि यदि यह गलती से हुआ है, तो विधायक को स्पष्टीकरण देकर माफी मांगनी चाहिए। माली ने इस घटना को गंभीर बताते हुए उचित कार्रवाई की भी बात कही। विधायक महेंद्र कसवाला ने भी घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का प्रतीक है और वंदे मातरम् का अपमान गुजरात की जनता का अपमान है। उन्होंने कहा

कि भाजपा के विधायक विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत करेंगे और कांग्रेस को इस मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। विवाद बढ़ने पर इमरान खेड़ावाला ने सफाई देते हुए कहा कि शुरुआत में वह खड़े थे, लेकिन बाद में गलती से बैठ गए। उन्होंने कहा, "मुझे किसी से देशभक्ति का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए, मेरे मन में देश के प्रति पूरा सम्मान और प्रेम है।" विवाद के बीच सदन में शोक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने सदन की कार्यवाही स्थगित रखने का प्रस्ताव रखा।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण के लिए एनएचएआई ने सख्त मानदंड किए लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण और हरित विकास को अनिवार्य बनाते हुए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत परियोजनाओं को प्रोविजनल सर्टिफिकेट ऑफ कंप्लीशन (पीसीसी) या प्रोविजनल कमर्शियल ऑपरेशन डेट (पीसीओडी) तभी मिलेगी जब पौधारोपण के लिए निर्धारित क्षेत्र के कम से कम 80 प्रतिशत हिस्से में पौधारोपण किया गया हो और पौधों की जीवित रहने की दर कम से कम 90 प्रतिशत हो।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, नए दिशानिर्देशों में राष्ट्रीय राजमार्गों के मध्य भाग और किनारों पर पौधारोपण को परियोजना विकास और पूर्णता का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। पौधारोपण कार्य ग्रीन हाईवेज पॉलिसी-2015, आईआरसी दिशानिर्देशों और मंत्रालय तथा एनएचएआई द्वारा जारी अन्य मानकों के अनुरूप किया जाएगा। यदि पौधारोपण निर्धारित 80 प्रतिशत सीमा से कम पाया जाता है तो उसकी जानकारी दर्ज की जाएगी और शेष कार्य पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की जाएगी। जब तक पौधारोपण का लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक अनुबंध प्रावधानों के तहत वित्तीय भुगतान का एक हिस्सा रोका जा सकेगा।

एनएचएआई ने संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) अवधि के दौरान भी पौधारोपण की निगरानी को सख्त किया है। ईपीसी, हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) और बीओटी-एन्युटी परियोजनाओं में ओएंडएम या एन्युटी भुगतान तथा बीओटी-टोल परियोजनाओं में रखरखाव अनुपालन का आकलन पौधों की न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवित रहने की दर पर निर्भर करेगा। नए दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया कि सूख चुके या नष्ट हुए पौधों के स्थान पर समान आयु और विकास वाले नए पौधे लगाए जाएंगे ताकि राजमार्गों पर पौधारोपण की निरंतरता और घनत्व बना रहे। भुगतान जारी करने या रखरखाव अनुपालन प्रमाणित करने से पहले एनएचएआई पर्यावरण और पौधारोपण विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेकर जमीनी स्तर पर सत्यापन भी कराएगा। एनएचएआई ने कहा कि पहले यह पाया गया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण संबंधी संविदात्मक दायित्वों को पीसीसी अथवा पीसीओडी जारी करते समय पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता था। संशोधित दिशानिर्देश पर्यावरणीय स्थिरता और हरित राजमार्ग विकास को परियोजना क्रियान्वयन और रखरखाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में उठाया गया कदम हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, गुरुवार 10 सितंबर 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

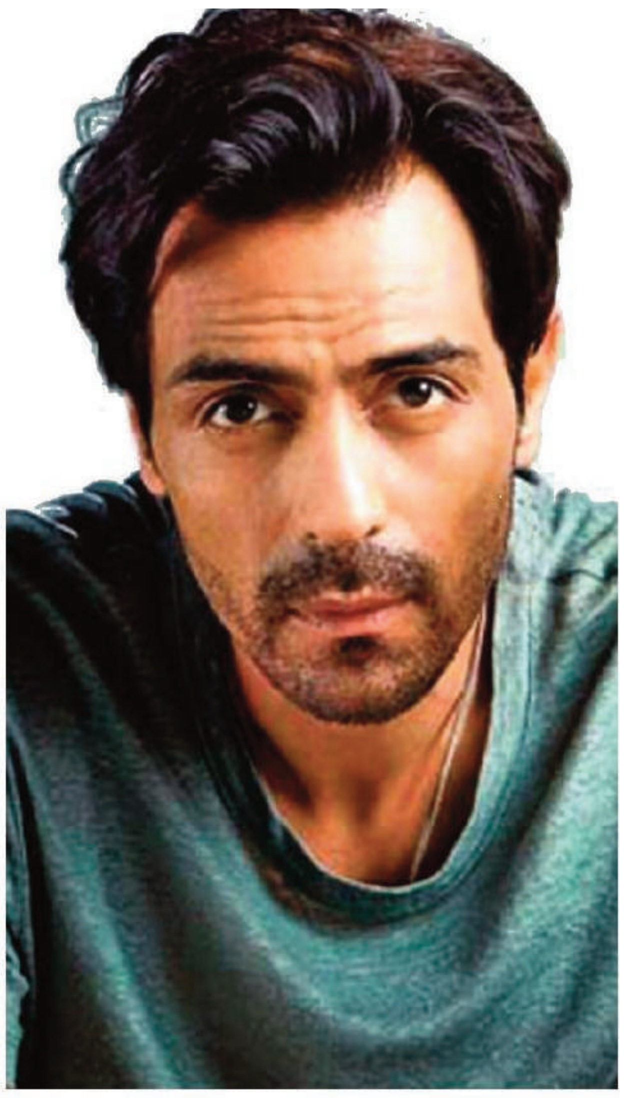

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट

इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ''ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफ्लिक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।